राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 15 मई 2022 वर्ष–5,अंक–109 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने गेहूं के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से लगाया प्रतिबंध, यूक्रेन संकट के बाद बढ़ गई थी मांग

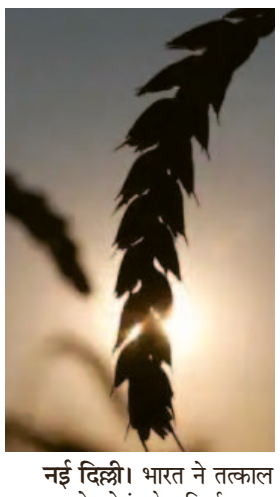

नई दिल्ली। भारत ने तत्काल प्रभाव से गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने शुक्रवार देर रात जारी एक अधिसूचना में इसे दुनिया के दूसरे सबसे बड़े गेहूं उत्पादक देश के द्वारा स्थानीय कीमतों पर लगाम लगाने की एक कोशिश कर दिया है। सरकार ने कहा है कि पहले जारी किए जा चुके लेटर ऑफ क्रेडिट के लिए गेहूं के शिपमेंट की अनुमति रहेगी।

फरवरी के अंत में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से काला सागर क्षेत्र से निर्यात गिरने के बाद वैश्विक खरीदार गेहूं की आपूर्ति के लिए भारत पहुंच रहे थे।

इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 15 अप्रैलको एक ट्वीट में कहा था कि भारतीय किसान दुनिया के पेट भर रहे हैं। मिस्र ने भारत से गेहूं के इम्पोर्ट को मंजूरी दी है। दुनिया में बढ़ती मांग को देखते हुए वित्त वर्ष 2022-23 में गेहूं का निर्यात 100 लाख (10 मिलियन) टन पार कर जाएगा।

अब देश में हालात बदल गए हैं। एमएसपी से अधिक कीमत में गेहूं की खरीद और पैदावार में कमी के कारण सरकारी खरीद प्रभावित हुई है। सरकार ने अब गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है। आपको बता दें कि इन दिनों बाजार में गेहूं न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक कीमत पर बिक रहा ह।

मायावती ने मुंडका अग्निकांड पर जताया दुख, दोषियों के लिए की सजा की मांग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के पश्चिमी इलाके में मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास स्थित चार मंजिला व्यावसायिक इमारत में शुक्रवार शाम आग लगने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य झुलस गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आग इमारत की पहली मंजिल से लगनी शुरू हुई जहां सीसीटीवी कैमरा और राउटर निर्माता कंपनी का कार्यालय था। उन्होंने कहा कि आग बुझाने के काम में 30 से अधिक दमकल वाहनों को लगाया गया।

पुलिस ने बताया कि कंपनी के मालिकों-हरीश गोयल और वरुण गोयल को हिरासत में ले लिया गया है और इमारत के मालिक की पहचान मनीष लाकरा के रूप में हुई है। इसने कहा कि वह इमारत के सबसे ऊपर वाले तल पर रहता था और उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

-बसप सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर दिल्ली की मुंडका स्थित चार मंजिला भवन में आग लगने की घटना पर दुख जताया है। साथ ही मामले की उच्च-स्तरीय जांच कराकर दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने लिखा, दिल्ली की मुंडका स्थित चार मंजिला भवन में कल शाम लगी भीषण आग में करीब 27 लोगों के मरने व अन्य 12 लोगों के घायल होने की घटना अति-दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। सरकार इस मामले की उच्च-स्तरीय जांच कराकर दोषियों को सख्त सजा सुनिश्चित करे।

-डीसीपी आउटर जिला समीर शर्मा ने कहा, मुंडका में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। एनडीआरएफ जांच कर रहा है कि कहीं और शव तो नहीं हैं। अब तक 27 शव बरामद हुए हैं, उनमें से 25 की पहचान नहीं हो पाई है। दो की पहचान की जाएगी। डीएनए सैंपल की जांच करेगी फोरेंसिक टीम 27-28 गुमशुदगी की शिकायतें आ चुकी हैं

-मुंडका अग्निकांड को लेकर यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, दिल्ली में कल एक दुर्भाग्यपूर्ण भीषण अग्नि दुर्घटना में हुई लोगों की मृत्यु अत्यंत दुखद व हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि मृतकों की आत्मा को शांति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

-दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी मुंडका आग हादसे पर गहरा दुख जताया। सीएम अरविंद केजरीवाल शनिवार को हादसा स्थल का दौरा करने के लिए जाएंगें। उन्होंने टवीट कर इसकी जानकारी दी है। मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री 9:30 बजे तक घटना स्थल पर पहुंच सकते हैं।

पीएम मोदी ने मन की बात के लिए नागरिकों से मांगे विचार

नई दिल्ली। देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हर महीने प्रसारित होने वाले अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के लिए सभी नागरिकों से विचार देने का आग्रह किया है। इस बार मई 29 को मन की बात प्रसारित किया जाएगा। सोशल मीडिया पर एक ट्वीट में प्रधान मंत्री मोदी ने कहा कि, मैं आप सभी को इस महीने के मनकीबात के लिए अपने इनपुट साझा करने के लिए आमंत्रित करता हूं, जो 29 तारीख को होगा। मुझे नमो ऐप और माईगॉव पर आपकी टिप्पणियों की प्रतीक्षा है। आप चाहें तो अपना मैसेज रिकॉर्ड करके भी भेज सकते हैं इस 1800-11-7800 नंबर पर। मन की बात के लिए विचारों का साझा करने के लिए प्रधानमंत्री ने एक एप माईगवरमेंट की लिंक भी शेयर की है। इसको लेकर आगे कहा गया है कि, प्रधान मंत्री मोदी आपके लिए महत्वपूर्ण विषयों और मुद्दों पर अपने विचार साझा करने के लिए उत्सुक हैं। प्रधान मंत्री आपको अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करते हैं। मन की बात के 89वें एपिसोड में उन्हें जिन विषयों पर बात करनी चाहिए, उन विषयों या मुद्दों पर हमें अपने सुझाव भेजें। अपने विचारों को रखने के लिए आप ओपन फोरम या वैकल्पिक रूप से टोल-फ्री नंबर 1800-11-7800 डायल कर सकते हैं और प्रधान मंत्री के लिए अपना संदेश हिंदी या अंग्रेजी में रिकॉर्ड करके भेज सकते हैं। इसमें आगे कहा गया है, रिकॉर्ड किए गए कुछ संदेश प्रसारण का हिस्सा बन सकते हैं। आप 1922 पर मिस्ड कॉल भी दे सकते हैं और एसएमएस में प्राप्त लिंक का अनुसरण करके सीधे प्रधानमंत्री को अपने सुझाव दे सकते हैं।

जल्द मिलेगी आसमान से बरस रही 'आग' से राहत

समय से 5 दिन पहले केरल में दस्तक देगा मानसून

नई दिल्ली। देश में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है. किसान से लेकर हर कोई आसमान की तरफ ताक रहा है. इस अच्छी खबर यह है कि मानसून समय से पहले एंट्री मारने जा रहा है. केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत 27 मई को होने की संभावना जताई गई है, जोकि समय से पांच दिन पहले है. आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून को दस्तक देता है. दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति केरल से ही शुरू होती है. वहीं, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में पहली मौसमी बारिश 15 मई को होने की संभावना है. यह जानकारी मौसम विभाग ने दी है. केरल में आखिरी बार मानसून ने 27 मई से पहले 2009 में दस्तक दी थी. उस समय मानसून 23 मई को आया था. इस साल मानसून की शुरुआत के संकेत के एक दिन बाद मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि केरल में मानसून की शुरुआत 27 मई को होने की संभावना है. उसने दावा किया कि पिछले 17 सालों (2005-2021) के दौरान केरल में मानसून की शुरुआत की तारीख का पूर्वानुमान 2015 को छोड़कर सही साबित हुआ है.

मानसूनी हवाएं बंगाल की खाड़ी में उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ती हैं*-इस साल के दक्षिण-पश्चिम मानसून की स्थिति और अंडमान सागर के ऊपर इसकी प्रगति का उल्लेख करते हुए मौसम विभाग ने कहा, 'भारतीय मानसून क्षेत्र में दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर प्रारंभिक मानसूनी बारिश का अनुभव होता है और मानसूनी हवाएं बंगाल की खाड़ी में उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ती हैं. आमतौर पर मानसून की शुरुआत की तारीखों के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून अंडमान सागर के ऊपर 22 मई के आसपास आगे बढ़ता है.'

राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द कैरेबियाई देशों की सात दिवसीय यात्रा के लिए रवाना

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द अपनी पत्नी सविता कोविन्द के साथ जमैका और सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइंस की सात दिवसीय यात्रा के लिए आज रवाना हो गए हैं। राष्ट्रपति 15 से 21 मई तक इन दोनों देशों के दौरे पर हैं। इसके साथ ही राष्ट्रपति कोविंद भारत के ऐसे पहले राष्ट्राध्यक्ष बन गए हैं जो इन देशों की यात्रा कर रहे हैं। राष्ट्रपति जमैका की संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को भी यहां संबोधित करेंगे। बता दें कि विदेश मंत्रालय ने इस दौरे की जानकारी पहले ही दे दी थी। जमैका और सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइन्स (एसवीजी) की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति कोविन्द दोनों देशों के नवोदित क्रिकेटरों से मिलेंगे और उन्हें क्रिकेट किट भी भेंट करेंगे। वहीं राष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और सांसद सतीश कुमार गौतम और रमा देवी भी होंगी।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) सौरभ कुमार ने राष्ट्रपति की इस यात्रा से पहले कहा कि भारत के राष्ट्राध्यक्ष की यह यात्रा कैरेबियाई क्षेत्र के देशों के साथ भारत के उच्च-स्तरीय जुड़ाव की निरंतरता को दर्शाती है और छोटे विकासशील द्वीपीय देशों के साथ काम करने की प्रतिबद्धता पर जोर देती है।

दोनों देशों में हो सकते कई समझौते-राष्ट्रपति कोविंद द्वीप देश में महत्वपूर्ण भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे और दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की भी उम्मीद है। इस वर्ष जमैका में भारतीयों के आगमन की 176वीं वर्षगांठ है। जमैका में 70,000 भारतीय प्रवासी रहते हैं। राष्ट्रपति कोविंद 18-21 मई तक सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस का दौरा करेंगे और गवर्नर-जनरल सुसान डौगन और पीएम राल्फ गोंजाल्विस के साथ बैठक करेंगे।

यात्रा का ऐतिहासिक महत्व-जमैका की इस यात्रा का ऐतिहासिक महत्व भी है क्योंकि यह दोनों देशों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण समय के दौरान हो रही है। इसी वर्ष भारत और जमैका के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 60 वीं वर्षगांठ है। अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति, जमैका के गवर्नर जनरल सर पैट्रिक एलन और प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस के साथ वार्ता भी करेंगे। गवर्नर जनरल और उनकी पत्नी राष्ट्रपति और सविता कोविंद के सम्मान में भोज का आयोजन करेंगे ।

चिंताजनक! दिल्ली-मुंबई सदी अंत तक 5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म होंगे

नई दिल्ली। यदि जलवायु खतरों से निपटने के लिए ठोस प्रयास नहीं किए गए तो 2050 तक कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन मौजूदा स्तर से दोगुना हो जाएगा। ऐसा होने पर सदी के अंत तक तापमान वृद्धि 4.4 डिग्री की होगी। इससे दिल्ली और मुंबई समेत अन्य शहरों के अधिकतम तापमान में पांच डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है। दिल्ली का अधिकतम तापमान 48 डिग्री पार कर सकता है। ग्रीनपीस की जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट 'इंडिया-हीटवेब ट्रेंड इन चेंजिंग क्लाईमेट' में आईपीसीसी की हालिया रिपोर्ट एआर-6 को आधार बनाते हुए यह दावा किया गया है।

भारतीय शहरों में गंभीर हो सकती है हीट वेव-दिल्ली समेत देश के कई अन्य शहरों में हाल में जिस प्रकार से लोगों ने हीट वेव का सामना किया है, वह आने वाले समय के लिए बड़े खतरे का संकेत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली समेत अन्य भारतीय शहरों जैसे लखनऊ, पटना, जयपुर एवं कोलकाता में भी इसी प्रकार का रुझान बने रहने की आशंका है। इससे लोगों को ज्यादा तीव्र हीट वेव का सामना करना पड़ सकता है।

दिल्ली में अप्रैल में गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ा

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में 1970-2020 के दौरान अब तक सिर्फ चार बार ऐसा हुआ जब अप्रैल में तापमान 43 से ऊपर पहुंचा है। इस साल 29 अप्रैल को यह रिकॉर्ड टूटा था। रिपोर्ट के अनुसार, 1950 में 40 सर्वाधिक गर्म दिन रिकॉर्ड किए गए थे लेकिन 2020 में ऐसे दिनों की संख्या बढ़कर 100 दर्ज की गई है।

2050 तक नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करना होगा-बता दें कि आईपीसीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि सभी देश 2050 तक नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करते हैं तो सदी के अंत तक तापमान वृद्धि 1.8 डिग्री रहेगी, लेकिन यदि यह लक्ष्य 2050 की बजाय 2100 में हासिल होता है तब तापमान वृद्धि 2.7 डिग्री की होगी।

अब पानी के अंदर भी होगा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक, नौसेना को मिलेंगे 2 घातक युद्धपोत

नई दिल्ली। समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होने जा रहा है। भारतीय नौसेना के दो अग्रिम मोर्चे के युद्धपोतों का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 17 मई को उद्घाटन करेंगे। ये युद्धपोत 'सूरत' और 'उदयगिरि' हैं। सूरत 15बी डेस्ट्रॉयर प्रोजेक्ट का और उदयगिरि 17ए फ्रिगेट प्रोजेक्ट का युद्धपोत है। यह पी17 फ्रिगेट (शिवालिक श्रेणी) का उन्नत संस्करण है, जिसमें बेहतर हथियार और सेंसर तथा मंच प्रबंधन प्रणाली लगी हैं। इनका उद्घाटन मुंबई के मझगांव डॉक्स लिमिटेड पर किया जाएगा।

सूरत प्रोजेक्ट 15बी डेस्ट्रॉयर का चौथा जहाज है जो पी15ओ डेस्ट्रॉयर्स (कोलकाता क्लास) का उन्नत संस्करण है और इसे गुजरात की व्यावसायिक राजधानी का नाम दिया गया है। ये युद्धपोत रडार को चकमा देने की प्रणाली से युक्त है। इससे पानी के अंदर भी पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने में मदद मिलेगी। उदयगिरि अपने प्रोजेक्ट का तीसरा जहाज है और इसका नाम आंध्र प्रदेश में पर्वतीय श्रृंखला के नाम पर दिया गया है।

भारतीय नौसेना के एक अधिकारी ने कहा कि देश स्वदेशी युद्धपोत निर्माण के इतिहास में एक ऐतिहासिक घटना का गवाह बनेगा। अधिकारी ने कहा कि सूरत जहाज को ब्लॉक निर्माण पद्धति का उपयोग करके बनाया गया है, जिसमें दो अलग-अलग भौगोलिक स्थानों पर ढांचों का निर्माण शामिल हैद्ध इस श्रेणी का पहला जहाज 2021 में नौसेना में शामिल किया गया था।

दूसरे और तीसरे जहाजों का जलावतरण हो चुका है और वे परीक्षण के विभिन्न चरणों में हैं। 15बी और पी17ए दोनों जहाजों का डिजाइन नौसेना डिजाइन निदेशालय द्वारा तैयार किया गया है।

यूपी के बाद हरियाणा के मदरसों में जरूरी हो सकता है राष्ट्रगान, शिक्षा मंत्री ने दिए संकेत

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार राज्य के सभी मदरसों में राष्ट्रगान गाना अनिवार्य कर सकती है। राज्य के शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने शनिवार को यह संकेत दिया। मंत्री ने कहा, इसमें कोई नुकसान नहीं है। राष्ट्रगान हर जगह गाया जाना चाहिए, चाहे वह मदरसा हो या स्कूल। इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा सरकार ने कक्षा 9 की नई इतिहास की किताब वापस लेने की मांग की थी, जिसमें 1947 में देश के विभाजन के कारणों में कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति का भी उल्लेख है। इस पर कंवर पाल ने कहा, आप इतिहास को सुगर-कोटेड नहीं बना सकते। जब किताब कई चीजों पर कांग्रेस को श्रेय देती है, तो गलतियों को भी उजागर किया जाएगा। देश के विभाजन को स्वीकार करना एक गलती थी और इसका उल्लेख मिलेगा।

यूपी के मदरसों में राष्ट्रगान अनिवार्य

उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार से मदरसों में राष्ट्रगान गाना अनिवार्य किया है, जिसके बाद ऐसे संकेत सामने आए हैं। यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड के रजिस्ट्रार एसएन पांडे ने गत 9 मई को सभी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को इस बारे में आदेश जारी किया। पांडे ने आदेश में कहा है कि पिछली 24 मार्च को बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप नए शिक्षण सत्र से सभी मदरसों में प्रार्थना के समय राष्ट्रगान अनिवार्य कर दिया गया है।

MP में भी हो रहा विचार

वहीं, पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में मदरसों में राष्ट्रगान गायन अनिवार्य कर दिए जाने के बाद मध्य प्रदेश के गृहमंत्री ने कहा कि उनके राज्य में भी इसी तरह के कदम पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा मध्य प्रदेश भाजपा प्रमुख विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि देश भर के सभी शैक्षणिक संस्थानों में जन गण मन का पाठ किया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश के मंत्री मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रगान हर जगह गाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है। यह एक राष्ट्रगान है और इसे हर जगह गाया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है। - राल्फ वाल्डो एमर्सन

संपादकीय

अग्निकांडों से बचाव की तरकीब

(लेखक -डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पिछले चार साल में दिल्ली में आगजनी की भयंकर घटनाएं हुई हैं। लेकिन न तो जनता ने कोई सबक सीखा और न ही सरकारों ने कोई मुस्तैदी दिखाई। इसीलिए दिल्ली के मुंडका क्षेत्र में जबर्दस्त लोमहर्षक अग्निकांड हो गया है। एक चार मंजिला भवन में कुछ कंपनियों के दफ्तर चल रहे थे। वहां न तो कोई कारखाना था और न ही कोई भट्टी या चूल्हा था। शायद बिजली की खराबी से आग लगी। लगभग 30 लाशें तो कल ही मिल गई थीं और 30 से भी ज्यादा लोग अभी तक लापता हैं। जो लाशें मिली हैं, वे इस बुरी तरह जल गई हैं कि उन्हें पहचानना भी मुश्किल है। कई लोग खिड़कियों से कूदे तो उनके हाथ पावं टूट गए, कुछ लोग अपने अधजले शरीरों के साथ बाहर भागे और कुछ लोग उस भवन से इसलिए बाहर नहीं भाग पाए कि नीचे उतरने के लिए सिर्फ एक ही संकरी सीढ़ी थी। उस सीढ़ी पर भयंकर धकापेल थी और धुएं व आग ने उन्हें बिल्कुल बेकार बना दिया था। दिल्ली और केंद्र की सरकार ने हताहतों को काफी मुआवजे की घोषणा कर दी है लेकिन क्या किसी की जान को रूपयों से तोला जा सकता है? दिल्ली में ही नहीं, देश के हर शहर में आजकल ऊँचे-ऊँचे भवनों का निर्माण हो रहा है। हर ऊँचा भवन खतरे की घंटी बजाता रहता है। उसमें कभी भी आग लग सकती है और उसका कारण कुछ भी हो सकता है। सरकारों ने ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कानून-कायदे जरुर बनाए हैं लेकिन उन्हें लागू करने में सर्वत्र ढिलाई देखी जाती है। भवन-निर्माता लोग सुरक्षा प्रमाण-पत्र आसानी से हथिया लेते हैं। जब आग लग जाती है, तब मालूम पड़ता है कि वह सुरक्षा पत्र उन्हें रिश्वत के बदले मिला है। अग्नि सुरक्षा से संबंधित सभी अफसरों और कर्मचारियों को इस तरह के अग्निकांड होने पर जिम्मेदार क्यों नहीं ठहराया जाता? जब-जब इस तरह के अग्निकांड होते हैं तो हमारी फायर ब्रिगेड के कर्मचारी अपनी जान पर खेलकर नागरिकों की सुरक्षा करते हैं। उनकी बहादुरी सराहनीय है। इसी प्रकार आस-पास रहनेवाले नागरिक भी अग्निपीड़ितों को बचाने की भरपूर कोशिश करते हैं। वे सीढ़ियां लगा देते हैं, ऊपर से कूदनेवालों के लिए नीचे तिरपाल थामे रहते हैं, जलते हुए भवन में अंदर घुसकर हताहतों को बाहर निकाल लाते हैं लेकिन दुर्भाग्य है कि अभी तक किसी सरकारी या गैर-सरकारी संगठन ने अग्निकांड से बचाव का ऐसा इंतजाम नहीं खोजा है कि जिससे सैकड़ों लोगों की जान तुरंत बचाई जा सके। मध्यप्रदेश में सतना के एक युवा अजयपाल सिंह ने आज ही मुझे एक ऐसी यांत्रिक तरकीब से परिचित करवाया, जिससे सैकड़ों लोग की जान मिनिटों में बच सकती है, चाहे वे 50 मंजिले भवन की आग में ही क्यों न फंसे हो। यदि हमारे व्यापार और उपभोक्ता मंत्री पीयूष गोयल कुछ पहल करें तो इस विभीषिका से वे भारत को ही नहीं, संसार के सभी देशों को बचा सकते हैं। इस यांत्रिक तरकीब से, जो मंहगी भी नहीं है, भारत चाहे करोड़ों-अरबों डॉलर भी कमा सकता है।

आज के कार्टून

भक्त

आचार्य रजनीश ओशो

प्रकृति और पुरुष दो नहीं हैं। आत्मा और परमात्मा दो नहीं हैं। दृश्य और दृश्या दो नहीं हैं। भक्ति की यह आधारशिला है कि एक होने का उपाय है। एक होने का उपाय तभी हो सकता है, जब वस्तुत- हम एक हों ही। यथार्थ से अन्यथा नहीं हो सकता। भक्त भगवान से मिल सकता है तभी, जब मिला ही हुआ हो। जब पूर्व से ही मिला हो, जब प्रथम से ही विरह न हुआ हो, बिछुडन न हुई हो। आम का बीज बोते हैं, आम पैदा होता है। आम इसलिए पैदा होता है कि आम छिपा था, आम था ही। नहीं तो कंकड़ बोते तो आम पैदा हो जाता। जो छिपा है, वह प्रकट होता है। इस जगत में वही मिलता है जो मिला ही हुआ है। भेद इतना ही पड़ता है कि छिपा था, अब प्रकट हुआ। तुम भगवान हो, लेकिन अभी बीज की नाइ; जब वृक्ष की नाइ होओगे, तब जानोगे, तब पहचानोगे। शांडिल्य कहते हैं - दोनों प्रथम से ही एक हैं। कभी अलग हुए नहीं। अलग होना भ्रांति है। अलग होना हमारे मन का भ्रम है। और यह भ्रम हम ने इसलिए पैदा किया है कि इसी अलग होने के भ्रम के आधार पर अहंकार पाला-पोसा जा सकता है। यदि तुम परमात्मा हो तो तुम रहे ही नहीं, परमात्मा रहा। बूंद डरती है सागर होने से-बूंद सागर हो जाएगी तो बूंद नहीं रह जाएगी, उसका मूल चरित्र बदल जाएगा, उसकी पहचान अलग हो जाएगी, सागर ही रहेगा। विराट के साथ मिलने में भय लगता है। आकाश के साथ जुड़ना दुस्साहस की बात है। इसलिए भक्त को दुस्साहसी होना ही होगा। बूंद अपने को खोने चली है। छोटी सी बूंद इतने विराट सागर में। फिर न पता लगेगा, न ओर-छोर मिलेगा; फिर अपने से शायद कभी मिलना भी न हो; इतनी खोने की जिसकी हिम्मत है, वही भक्त हो सकता है। और जो भक्त हो सकता है, वही भगवान हो सकता है। सीधे रूप में कह सकते हैं भक्त होने का अर्थ है, बीज ने अपने को तोड़ने का निर्णय लिया। तुम जमीन में बीज को बोते हो, जब तक बीज टूटे नहीं, वृक्ष नहीं होता; जब तक बीज मिटे नहीं तब तक अंकुरण नहीं होता; बीज की मृत्यु ही वृक्ष का जन्म है। यानी किसी की मृत्यु होना, दूसरे के जन्म लेने की शुरुआत है। तुम्हारी मृत्यु ही भगवान का आविर्भाव है। भक्त जहां मरता है, वहीं भगवत्ता उपलब्ध होती है।

अब रिश्तों की बहाली पाक पर निर्भर

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान के बड़े राजनीतिक घरानों की कमाई का मुख्य स्रोत कृषि जमीन रही है। वहां भूमि सुधार करने के बारे में सोचा तक नहीं गया, लिहाजा विशाल कृषि भूखंडों की मिलकियत इनके हाथ रही। यहां तक कि समाजवाद की ओर झुकाव रखने वाले पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की आय भी सिंध वाली कृषि भूमि थी। उनके नाती बिलावल भुट्टो, दामाद आसिफ अली ज़रदारी, जो अब पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की अगुवाई कर रहे हैं, वे भी सिंध के ग्रामीण राजसी जमींदार तबके से हैं। वहीं शरीफ परिवार, जो मूलत: कश्मीर में रहता था, पंजाब आकर बस गया, जहां परिवार के पितामह (नवाज़ शरीफ के पिता) ने स्टील उद्योग स्थापित किया। वह स्टील कारखाना तो बेच दिया लेकिन शरीफ खानदान आज 30 करोड़ डॉलर मूल्य वाले चीनी उद्योग का मालिक है। शाहबाज़ शरीफ ने बड़े भाई नवाज़ शरीफ के सामने सदा छोटे भाई जैसा व्यवहार रखा और अग्रज की हर इच्छा का आज्ञाकारी पालन किया। लेकिन विगत में जिस तरह नवाज़ शरीफ सेना से उलझते रहे, उसकी बजाय शाहबाज़ शरीफ ने सैनिक प्रतिष्ठान से सदा बढ़िया व्यावसायिक ताल्लुकात बनाकर रखे। इसलिए कोई शक नहीं कि सेना भी इमरान खान से पार पाने में शाहबाज़ की पीठ पर हाथ रखे, वैसे भी गुस्सैल इमरान खान ने नए आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति पर जो कुछ किया, उसकी वजह से मृदुभाषी जनरल असीम बाजवा तो चिढ़ गए थे। नवाज़ शरीफ एक महत्वाकांक्षी और कुशाग्र बेटी मरियम के पिता हैं। उनका बेटा हमज़ा शरीफ भी उतना ही महत्वाकांक्षी है, जिसे हाल ही में पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद पर बैठाया गया है। वहीं मरियम चाचा शाहबाज़ शरीफ के केंद्रीय मंत्रिमंडल में सूचना एवं प्रसारण मंत्री हैं। हमज़ा और मरियम की महत्वाकांक्षाओं के बीच दोनों के बीच रिश्ता कैसा रहेगा, यह समय बताएगा। पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था की टीस की वजह विदेशी मुद्रा की भारी कमी है, जिससे उसे लगातार तेल-संपन्न अमीर अरबी सल्तनतों के सामने भीख का कटोरा थामना पड़ता है। पिछले सात सालों में, पाकिस्तान का सकल घरेलू उत्पाद 315 बिलियन डॉलर से घटकर 292 बिलियन डॉलर पर आ गया है। यह आंकड़ा अब बांग्लादेश से भी नीचे है। विदेशी खैरातों के बावजूद पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार सिकुड़ा है। अगस्त, 2021 में विदेशी मुद्रा कोष 18.8 बिलियन डॉलर था जो फरवरी 2022 में घटकर 14.9 बिलियन डॉलर हो गया। अर्थव्यवस्था चलाये रखने को पाकिस्तान सदा अमीर अरबी सल्तनत, खासकर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात, की खैरातों पर निर्भर रहा है। सऊदी अरब की इस्लामिक देशों की सरदारी को चुनौती देने के लिए मलेशिया और तुर्की के बनाए नए इस्लामिक संघ में शामिल होने की इमरान खान की तैयारी से सऊदी अरब का चिढ़ना स्वाभाविक था। सऊदी अरब के युवराज सलमान ने संयुक्त अरब अमीरात के युवराज शेख मोहम्मद ज़ाएद के साथ मिलकर पाकिस्तान की आर्थिक चूड़ियां कस डालीं। दशकों तक जिन अरब मुल्कों ने खुले दिल से पाकिस्तान की आर्थिक मदद की थी, वे इमरान खान की हेठी करने लगे। तभी प्रधानमंत्री बनते ही शाहबाज़ शरीफ ने पहले दौरे के लिए सऊदी अरब को चुना। सऊदी अरब ने भी थैली की डोर ढीली करते हुए 2 बिलियन डॉलर की मदद का वादा किया है। शाहबाज़ शरीफ ने यूएई के युवराज शेख ज़ाएद से भी मुलाकात की है जो सऊदी युवराज सलमान की तरह अपने देश के कार्यकारी सुल्तान हैं। लेकिन यहां शाहबाज़ शरीफ का पाला इस यथार्थ से भी पड़ा कि ताकतवर अरब देशों ने अब भारत के साथ रिश्तों पर नया रवैया अपना लिया है। सऊदी-पाकिस्तान संयुक्त घोषणापत्र में कहा गया - 'सऊदी अरब पाकिस्तान के उस वक्तव्य का स्वागत करता है, जिसमें भारत के साथ जम्मू-कश्मीर विवाद सहित तमाम झगड़े सुलझाने की इच्छा जताई गई है। क्षेत्र में शांति और स्थायित्व सुनिश्चित हो सके, इसके लिए दोनों पक्ष भारत-पाक वार्ता को तरजीह देते हैं, विशेषकर जम्मू-कश्मीर मुद्दे पर।' इस घोषणापत्र में कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र के पुराने प्रस्ताव का संदर्भ देने समेत जो उम्मीदें पाकिस्तान लगाए हुए था, यह उससे अलग रहा। हालांकि पवित्र शहर मक्का में अपने समर्थकों के जरिए शाहबाज़ के विरुद्ध प्रदर्शन करवाकर इमरान खान ने सऊदी अरब से और नाराज़गी मोल ले ली है। शाहबाज़ शरीफ ने ऐसे वक्त में बागडोर संभाली है जब तेल संपन्न पड़ोसी अरब मुल्कों के भारत और हिंद महासागरीय देशों के साथ रिश्तों में काफी बदलाव आया है। यह फर्क सऊदी और यूएई के मामले में और अधिक दिखता है, जिन्होंने भारत को एक विनम्र और मददगार मुल्क पाने के अलावा तेल एवं गैस क्षेत्र में निवेश के लिए भी उपयुक्त जाना है। इसके अलावा, भारतीय नौसेना और बहरीन स्थित 5वें अमेरिकी बेड़े के बीच निकट सहयोग से फारस की खाड़ी और हिंद महासागर में नौवहनीय आवागमन पर कारगर सुरक्षा चक्र बना है। विगत में, राष्ट्रपति बाइडेन ने पाकिस्तान के फौजी जनरलों से संवाद में काफी रुचि दिखाई थी किंतु ठीक उसी वक्त उनके पास इमरान खान से मिलने या बात करने का समय नहीं था, जिन्होंने अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे को अपना समर्थन कभी राज़ नहीं रखा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के नए विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को संयुक्त राष्ट्र में खाद्य सुरक्षा पर होने वाली बैठक में आमंत्रित किया है। नियमानुसार इस साल नवम्बर में जनरल बाजवा की सेवानिवृत्ति होनी है। जहां पाकिस्तान कश्मीर में जिहादियों की मदद जारी रखे हुए है वहीं भारत में आतंकवाद की सहायता की एवज में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय कार्यबल द्वारा बढ़ाया सेंक भी महसूस कर रहा है। रावलपिंडी का सेना मुख्यालय अब लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद की गतिविधियों को लेकर ज्यादा गोपनीयता बरत रहा है। गौरतलब है कि अब आईएसआई पंजाब में अंतर-सीमा आतंकवाद को बढ़ावा देने पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने लगी है। इसी बीच पाकिस्तानियों को ड्युरंड लाइन के आरपार बसे पश्तून इलाकों से अपनी गतिविधियां चलाने वाले गुट तहरीक-ए-तालिबान ऑफ पाकिस्तान से पेश गंभीर चुनौती का सामना कर पड़ रहा है। बलूचिस्तान में भी पाकिस्तान के सामने इस किस्म के हालात हैं। कराची में हाल ही में एक बलूच राष्ट्रवादी महिला ने आत्मघाती हमले में चीनी कामगारों को ले जा रही बस को उड़ा दिया। बलूचिस्तान में चीनियों की बढ़ती उपस्थिति के खिलाफ तगड़ा रोष है, खासकर ग्वादर बंदरगाह इलाके में। भारत को पाकिस्तान पर अपना राजनयिक और आर्थिक दबाव जारी रखना चाहिए, जब तक कि रावलपिंडी में बैठे फौजी जनरल पाक-अधिकृत कश्मीर में बनाया गया आतंकवाद का ढांचा खत्म नहीं कर देते। इसी बीच रिश्ते सामान्य बनाने के लिए पर्दे के पीछे वाले संवाद जारी रखे जाएं। पहले कदम के तौर पर, दोनों ओर राजदूतों की नियुक्ति जल्द की जाए। हालांकि, बहुत कुछ अंतर-सीमा आतंकवाद को पाकिस्तानी मदद जारी रहने या बंद करने पर निर्भर करेगा। उम्मीद करें कि पाकिस्तान को वह पुरानी कहावत याद होगी - 'जो खुद शीशे के मकान में रहते हैं वे दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकते'। आम लोगों के बीच आपसी सामान्य रिश्तों की बहाली की खातिर हम समय के साथ पाकिस्तान आने-जाने वाली बस और हवाई सेवाएं शुरू कर कर सकते हैं। यदि पाकिस्तान सार्क संधि के मुक्त व्यापार संधि वाले प्रावधान पर पूरी तरह अमल करे तो भारत चरणबद्ध तरीके से सार्क को पुनर्जीवित करने पर विचार कर सकता है। गेंद पाकिस्तान के पाले में है।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

बेटियों को आत्मनिर्भर बनाती शिवराज सरकार

(लेखक - निलय श्रीवास्तव)

मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां बालिकाओं के शैक्षणिक विकास तथा महिलाओं के सम्मान के लिये अनेक योजनाएं तथा कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इस दिशा में वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली लक्ष्मी योजना की अभिनव पहल की थी। उनके अथक प्रयासों से इस योजना को क्रियान्वित किया गया। लम्बे अंतराल के बाद इसके सुखद तथा आश्चर्यजनक परिणाम सामने आये हैं। सबसे अहम यह है कि लिंगानुपात में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चाहते हैं कि बेटियां खूब पढ़ें और आगे बढ़ें। उनके शब्दों में बेटियों के बारे में समाज में पायी जाने वाली नकारात्मक सोच, लड़कों के मुकाबले उनकी कम होती संख्या मुझे हमेशा से कचोटती और झकझोरती रही है। बेटियों के लिये कुछ सकारात्मक करने की तड़प मेरे मन में सदा से रही है। सौभाग्य से प्रदेश की बेटियों के लिए कुछ करने का अवसर मुझे मुख्यमंत्री बनने के बाद मिला। मैंने बिना देरी किए बालिकाओं के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित बनाने वाली योजनाएं बनाने का निश्चय किया। मेरे इस निश्चय के परिणामस्वरूप बनी योजनाओं में से एक है लाडली लक्ष्मी योजना। इस योजना से हम समाज का नजरिया बदलने में सफल रहे हैं। मेरा संकल्प है कि प्रदेश की बेटियां सशक्त होकर आगे बढ़ें। आज प्रदेश में बयालिस लाख से अधिक लाडली लक्ष्मी बेटियां हैं। मैं चाहता हूं कि मेरी बेटियां प्रशासनिक अधिकारी, डाक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्राध्यापक बने और हमारे प्रदेश का नाम रोशन करें। लाडली लक्ष्मी योजना को लागू किए डेढ़ दशक से अधिक का समय बीत चुका है। इस योजना का लाभ लेकर हजारों बेसहारा निर्धन कन्याएं स्वावलम्बी बन गयीं। अनेकों शादी कर अपना घर बसा चुकी हैं। लाडली लक्ष्मी योजना को मध्यप्रदेश में सफलता मिलते देख देश के कई राज्य इसका अनुसरण कर रहे हैं। दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, गोवा राज्यों ने लाड़ली लक्ष्मी योजना को लागू किया है। मध्यप्रदेश में लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ अधिक से अधिक बालिकाओं को मिले इसे ध्येय बनाकर सरकार ने अनेक योजनायें बनाई हैं। प्रदेश में अब हर वर्ष 2 से 12 मई तक लाड़ली लक्ष्मी उत्सव मनाया जाएगा। साथ ही यह भी निर्धारित किया गया कि ऐसी ग्राम पंचायत जहां लाडलियों का सम्मान हो, बाल विवाह न हो, स्कूलों में शत प्रतिशत प्रवेश हो तथा कोई लाड़ली कुपोषित न हो, उस ग्राम पंचायत को मध्यप्रदेश सरकार लाड़ली लक्ष्मी पंचायत का पुरस्कार प्रदान करेगी। विगत 8 मई को भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में लाडली लक्ष्मी योजना पर केंद्रित एक गरिमामय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली लक्ष्मी योजना-2 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की, अब आईआईटी, आईआईएम सहित अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के लिये लाड़ली लक्ष्मी की पूरी फीस सरकार भरेगी। कालेज में प्रवेश करने पर साढ़े बारह हजार रुपए अलग से दिए जाएंगे। मध्यप्रदेश में 52 जिलों के 313 विकासखंडों के 52,117 गांवों में योजना के तहत अब तक 42 लाख से अधिक बालिकाओं का पंजीयन किया जा चुका है। लाडली लक्ष्मी योजना निधि में 10,654 करोड़ रुपयों की राशि जमा की गई हैं। जरूरतमंद बालिकाओं के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा लाडली लक्ष्मी ई-संवाद ऐप का लोकार्पण भी किया गया है। इस ऐप के माध्यम से बालिकाएं सीधे मुख्यमंत्री से बात कर सकती हैं। यह अभिनव प्रयोग मध्यप्रदेश में ही संभव हुआ है।

लाडली लक्ष्मी योजना की सफलता का प्रमाण स्पष्ट है कि वर्तमान में मध्यप्रदेश में एक हजार बेटों पर 956 बेटियां जन्म ले रही हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ये आंकड़ा बराबरी पर लाने के लिए प्रयासरत हैं। आज जबकि बदलते सामाजिक परिवेश के साथ बेटियों के प्रति लोगों का दृष्टिकोण भी बदल रहा है। यही वजह है कि अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहां बालिकाओं ने अपना वर्चस्व स्थापित किया है। हाल ही में आए कुछ प्रतियोगी परिक्षाओं के परिणाम और अनेक खेल आयोजनों में बेटियों ने अपना परचम लहराया है। ऐसे में यदि उन्हें कुछ सरकारी योजनाओं का लाभ मिले तो वे अपने पैरों पर खड़ी होकर दिखला सकती हैं। इस दिशा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री प्रयासरत भी हैं और प्रोत्साहन भी दे रहे हैं। हम इस बात को दावे के साथ कह सकते हैं कि बतौर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने डेढ़ दशक लंबे कार्यकाल के दौरान बेटियों की दुनिया में मुस्कान बिखेरी है। बेटियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध शिवराज सरकार प्रदेश में ऐसा माहौल तैयार कर रही है जहां बेटियां आसमां से कहेंगी थोड़ा और ऊंचा उठ जाओ।

सू-दोकू नवताल -2117

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

सू-दोकू -2116 का हल

7	6	2	4	5	9	1	3	8
4	1	8	7	3	6	9	5	2
9	5	3	8	1	2	7	6	4
8	7	9	2	4	5	6	1	3
3	2	6	1	7	8	5	4	9
5	4	1	6	9	3	8	2	7
6	3	4	9	8	1	2	7	5
2	9	7	5	6	4	3	8	1
1	8	5	3	2	7	4	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2117

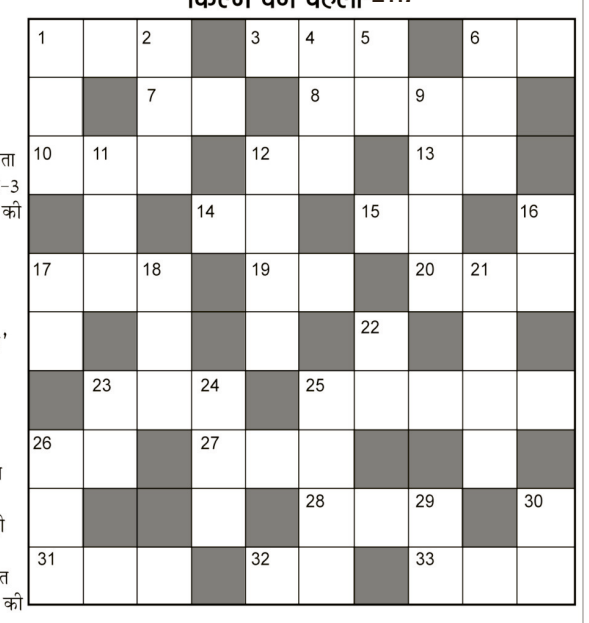

बायें से दायें:-

1. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-3
3. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-3
6. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-2
7. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-2
8. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-4
10. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-3
12. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-2
13. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-2
14. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-2
15. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-2
17. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-3
19. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-2
20. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-3
23. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-3
25. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-2,1,2
26. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-2
27. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-3
28. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-3
31. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
32. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2
33. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-3
2. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
4. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-3
5. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-2
6. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-3
9. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-4
11. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-3
12. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-4
16. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-2
17. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-2
18. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-3
21. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-4
22. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-2
23. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-2
24. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-3
25. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-2,2
26. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-3
29. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-2
30. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2116

चा	ल	बा	ज		चा	ला	क		जा
ह		रि		आ	ह		र्ज		ल
त	ला	श		र	त	न		प्या	सा
	वा		रा	जू		ज	ख्म		ज
रा		तु	म		जो	र		ना	
म	स्ती		क	ह	र		अ	स्ति	त्व
अ		जीं	स		दा	वा		क	
व	क्त		म	द	र		दा		अं
ता		हे		र्द		फि	दा		जा
र	ह	मा	न		रो	जा		धू	म

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूको बैंक का मुनाफा बढ़कर 312 करोड़ रुपए

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने बताया कि उसके खराब ऋण (एनपीए) में कमी आने की वजह से मार्च 2022 को समाप्त तिमाही में उसका मुनाफा तीन गुना से अधिक बढ़कर 312.18 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही में यूको बैंक ने 80 करोड़ रुपए का मुनाफा अर्जित किया था। यूको बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 4,362 करोड़ रुपए रह गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 4,637 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 के लिए बैंक का मुनाफा 930 करोड़ रुपए रहा, जो 2020-21 के 167 करोड़ रुपए के मुकाबले पांच गुना से अधिक है। बीते वित्त वर्ष के दौरान बैंक की कुल आय 18,082 करोड़ रुपए रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 17,870 करोड़ रुपए थी। मार्च 2022 के ओ खिर तक बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) काफी कम होकर 7.89 प्रतिशत रह गई, जो मार्च 2021 के ओ खिरी तक 9.59 प्रतिशत थी। मूल्य के हिसाब से बैंक का सकल एनपीए 11,352 करोड़ रुपए से घटकर 10,237 करोड़ रुपए रह गया।

लिस्टेड फैन्स ने जुटाया 16 लाख डॉलर का वित्त

मुंबई । लिस्टेड फैंस ने व्हाइटबोर्ड कैपिटल और गुडवॉटर कैपिटल की अगुआई में हुए वित्तपोषण दौर में 16 लाख डॉलर यानी करीब 12.39 करोड़ रुपये जुटाए हैं। लिस्टेड फैन्स एक ऐसा मंच है, जो उन लोगों को सोशल 'टोकन' जारी करता है जिनके सोशल मीडिया पर प्रशंसकों की बड़ी संख्या होती है। यह टोकन किसी क्रिएटर या प्रोजेक्ट की भावी कमाई में हिस्सेदारी दर्शाता है। वित्तपोषण पाने की इस कवायद में लिस्टेड फैंस ने 16 लाख डॉलर जुटाए हैं। लिस्टेड फैन्स ने पहले ही सोशल मीडिया पर सक्रिय 35 कंटेंट क्रिएटरों को अपने साथ जोड़ लिया है, जो आने वाले कुछ हफ्तों में अपना आईपीओ (इनिशियल पर्सन ऑफरिंग) लेकर आने वाले हैं।

मांग और आपूर्ति में तालमेल बिगड़ने से कॉटन की कीमत 11 साल के उच्च स्तर पर

- वर्ष 2021-22 में कपास की आवक में भी आई गिरावट, खपत भी 29 लाख गांठ से घटकर 19 लाख गांठ प्रति माह हुई

नई दिल्ली। मांग और आपूर्ति में तालमेल बिगड़ने कॉटन की कीमतें 11 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। यह सूती धागे के स्पिनरों, कॉटन आधारित टेक्सटाइल और वस्त्र निर्माताओं को नुकसान पहुंचा रहा है। स्पिनिंग मिल कम क्षमता के साथ काम कर रही हैं वहीं कई कपड़ा निर्माताओं ने फैक्ट्रियां बंद कर दी हैं। इस उद्योग के जानकारों का अनुमान है कि भारत में प्रति माह कपास की औसत खपत भी लगभग 29 लाख गांठ से घटकर 19 लाख गांठ प्रति माह हो गई है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि 2021-22 में कपास की आवक भी कम हुई है। तमिलनाडु स्पिनिंग मिल्स एसोसिएशन ने इस मामले में मुंबई के कपड़ा आयुक्त को 3 बार प्रेजेंटेशन दी है। एसोसिएशन के एक वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि तमिलनाडु में कई कताई मिलें हैं जो पूरे देश में 40 प्रतिशत तक उत्पादन में योगदान करती हैं। यह मिलें सप्ताह में केवल पांच दिन चल रही हैं, कई मिलें 12 घंटे की शिफ्ट अपना रही हैं और अपनी गतिविधियों को 12 घंटे के लिए बंद रख रही हैं। इसका मतलब है कि प्रभावी रूप से केवल 35 से 40 प्रतिशत उत्पादन चल रहा है। उधर, भारत के नंबर एक कपास उत्पादक राज्य गुजरात में सूत के स्पिनरों को 30-40 रुपए प्रति किलोग्राम की नकद हानि हुई है। गुजरात स्पिनर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रिपल पटेल कहते हैं, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतों में वृद्धि और कम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग कताई मिलों को चिंतित कर रही है। हम खुश हैं कि किसानों को उनकी उपज के लिए उच्च मूल्य मिल रहा है, हम आशा करते हैं कि इनपुट लागत में मूल्य वृद्धि को आगे की ओर वितरित किया जाएगा। अकेले स्पिनर कीमतों में वृद्धि का बोझ नहीं उठा सकते। सरकार ने अप्रैल में कपास पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क हटाकर इस क्षेत्र को समर्थन देने की कोशिश की है। इस कदम का उद्देश्य घरेलू कमी को दूर करने के लिए भारत के बाहर के बाजारों से खरीदारी को प्रोत्साहित करना था। हालांकि, वैश्विक जिंस बाजार को डर है कि कपास का शीर्ष निर्यातक भारत निर्यात पर प्रतिबंध लगा सकता है और जिससे कीमतों में और उछाल आया है। व्यापारियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने कपास का स्टॉक करना शुरू कर दिया है और बाजार में कमी पैदा कर रही है। जिससे कीमत हाल के महीनों में 37,000 रुपये से 45,000 रुपए प्रति कैंडी से बढ़कर 97,000 रुपए 1,04,000 रुपए हो गई है।

नई पीढ़ी की मारुति ऑल्टो का ट्रायल उत्पादन अगले महीने से

-कार को जुलाई-अगस्त में किया जा सकता है लॉन्च

नई दिल्ली ।

चालू साल में मारुति नई-जेनरेशन ऑल्टो लॉन्च करने जा रही है। नई पीढ़ी की मारुति ऑल्टो का ट्रायल उत्पादन अगले महीने जून के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। इस कार को जुलाई-अगस्त में लॉन्च किया जा सकता है। ऑटो एक्सपर्ट बताते हैं कि नई ऑल्टो को ज्यादा मजबूती और सेफ्टी फीचर्स के साथ उतारा जाएगा। इसमें हियरटेक्ट प्लैटफॉर्म पर विकसित किया जा रहा है। यह कार पहले से ज्यादा ऊंची, चौड़ी और बड़ी होगी। नई ऑल्टो में नए डिजाइन वाली लंबी ग्रिल, नया बंपर, बड़े टेलगेट, नए हेडलाइट और टेललाइट देखने को मिलेंगे। इसके डैशबोर्ड और अपहोल्स्ट्री को भी अपडेट किया जा सकता है। आराम के मामले में नई ऑल्टो में सभी यात्रियों के लिए ज्यादा जगह होगी। नई मारुति ऑल्टो में नया डैशबोर्ड और सेंट्रल कंसोल, अपडेटेड टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, इंजन स्टार्ट-स्टॉप बटन, कीलेस एंट्री स्मार्टफोन कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। नई मारुति ऑल्टो में नया के10C डुअलजेट 1.0 लीटर 3 सिलिंडर पेट्रोल इंजन दिया जा सकता है। यह इंजन 67 बीएचपी तक की पावर और 89 न्यूटन मीटर टॉर्क जेनरेट करता है। नई ऑल्टो में मैनुअल और ऑटोमैटिक, दोनों तरह के ट्रांसमिशन ऑप्शन होंगे। अपने कॉम्पैक्ट प्रोफाइल, आकर्षक डिजाइन, बेहतरीन माइलेज और कम कीमत के साथ ऑल्टो एक लोकप्रिय एंट्री-लेवल कार बनी हुई है। वर्तमान ऑल्टो 796 सीसी मोटर द्वारा ऑपरेट होती है जो 6,000 आरपीएम पर 47 एचपी की पावर और 3,500 आरपीएम पर 69 एनएम पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसे 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन से जोड़ा गया है। ऑल्टो का सीएनजी वैरिएंट 40 एचपी और 60 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। माइलेज की बात करें पेट्रोल वैरिएंट 22.05 किमी प्रति लीटर और सीएनजी वैरिएंट 31.59 किमी/किग्रा का माइलेज देता है। मालूम हो कि मारुति सुजुकी ऑल्टो कई सालों से देश में लगातार बेस्टसेलिंग कारों की लिस्ट में शुमार रही है। मारुति ऑल्टो को 2000 में लॉन्च किया गया था।

सेबी ने शेयरधारकों को वार्षिक रिपोर्ट की हार्ड कॉपी भेजने की छूट 31 तक बढ़ाई

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने शेयरधारकों को वार्षिक रिपोर्ट की हार्ड कॉपी भेजने के लिए सूचीबद्ध कंपनियों को दी गई छूट बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2022 कर दी है। सेबी ने कई सूचीबद्ध कंपनियों से मिले अभ्यावेदन के बाद यह निर्णय लिया है जिसमें शेयरधारकों को वार्षिक रिपोर्ट की हार्ड कॉपी भेजने की आवश्यकताओं से छूट मांगी गई थी। इस संबंध में जारी एक परिपत्र के अनुसार इस मांग के खिलाफ सेबी ने हार्ड कॉपी भेजने की छूट को बढ़ाकर 31, दिसंबर 2022 कर दिया है। लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताओं के तहत कंपनियों को उन शेयरधारकों को वार्षिक रिपोर्ट की हार्ड कॉपी भेजनी होती है जिन्होंने अपना ईमेल पता पंजीकृत नहीं किया है।

कैट ने ई-फार्मेसी पर लगाम लगाने की मांग की

- स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया से मिलेंगे व्यापारी, देश में ई-फार्मेसियों के नियम एवं कानून के उल्लंघन के बारे में बताएंगे

नई दिल्ली ।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने ई-फार्मेसी पर लगाम लगाने की मांग की है। इससे पहले भी कैट की ओर से लगातार ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर नकली, गलत या मिलावटी दवाएं बेचने वालों पर शिकंजा कसने की अपील की जा रही थी। जिसमें कहा गया था कि ई-फार्मेसी के नाम पर ये ऑनलाइन कंपनियां उन दवाओं को भी बेच रही हैं, जिनकी अनुमति नहीं है। इसके साथ ही कैट का कहना है कि देश में अनेक बड़े विदेशी और देसी कॉर्पोरेट कंपनियां ऑनलाइन फ़ार्मेसी से दवाओं की आपूर्ति करने के दौरान ड्रग एवं कॉस्मैटिक क़ानून की लगातार अवहेलना कर रही हैं। इससे न केवल देश के करोड़ों थोक और खुदरा केमिस्टों के व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुए हैं बल्कि उपभोक्ता विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण भारतीय उपभोक्ताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य खतरे में पड़ गया है। कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया से इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर बार बार याद दिलाने के बावजूद कोई कारवाई न करने पर अफसोस जताया है। कैट ने उनसे इस मुद्दे पर गठित मंत्रियों के समूह जिसके अध्यक्ष राजनाथ सिंह थे, की सिफ़ारिशों को तुरंत सार्वजनिक करने का भी आग्रह किया है। इस बीच कैट का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेगा और उन्हें देश में ई-फार्मेसियों के नियम एवं कानून के स्पष्ट उल्लंघन के बारे में अवगत कराएगा।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह शेयर बाजार में 4 फीसदी की गिरावट रही

- सेंसेक्स 136.69 अंक गिरकर 52,793 पर बंद

- निफ्टी 25.85 अंक गिरकर 15,782 पर बंद

मुंबई ।

मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं बढ़ने और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से भारतीय शेयर बाजार लगातार पांचवे सप्ताह गिरावट पर बंद हुए हैं। बीते सप्ताह साप्ताहिक आधार पर घरेलू बाजार में 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बीते सप्ताह भर के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 713.49 अंक की गिरावट के साथ 54,122.09 पर खुला और 364.91 अंक की गिरावट के साथ 54,470.67 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी भी 248.7 अंक गिरकर 16,162.55 पर खुला और 109.40 अंक गिरकर 16,301.85 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 173.39 अंक बढ़कर 54,644.06 पर खुला और 105.82 अंक के नुकसान से 54,364.85 पर बंद हुआ। निफ्टी 50.65 अंक बढ़कर 16,352.50 पर खुला और 61.80 अंक की गिरावट के साथ 16,240.05 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 190.34 अंक बढ़कर 54,555.19 पर खुला और अंक की गिरावट के साथ 54,088 पर बंद हुआ। निफ्टी 65.55 अंक उछलकर 16,305.60 पर खुला और 73 अंक फिसलकर 16,167 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 816.78 अंक की गिरावट के साथ 53,271.61 पर खुला और 1,158.08 अंक फिसलकर 53,000 अंक के स्तर से नीचे 52,930.31 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 234.05 अंक गिरकर 15,933.05 पर खुला और 359.10 अंक लुढ़ककर 15,808 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 635.43 अंक की बढ़त के साथ 53,565.74 पर खुला और 136.69 अंक गिरकर 52,793.62 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 186.4 अंक चढ़कर 15,994.40 पर खुला और 25.85 अंक यानी 0.16 प्रतिशत गिरकर 15,782.15 अंक पर बंद हुआ।

स्थानीय कीमतों को काबू करने सरकार ने गेहूं निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

- रूस और यूक्रेन की बीच जारी जंग से गेहूं की अंतरराष्ट्रीय कीमत 40 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने स्थानीय कीमतों पर काबू करने के लिए तत्काल प्रभाव से गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। गौरतलब है कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक है। सरकार ने कहा है कि पहले ही जारी किए जा चुके लेटर ऑफ क्रेडिट के तहत गेहूं निर्यात की अनुमति रहेगी। फरवरी के ओ खिर में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से काला सागर क्षेत्र से निर्यात में गिरावट के बाद वैश्विक खरीदार गेहूं की आपूर्ति के लिए भारत की ओर रुख कर रहे थे। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि देश की समग्र खाद्य सुरक्षा का प्रबंधन करने और पड़ोसी और अन्य कमजोर देशों की जरूरतों का समर्थन करने के लिए केंद्र सरकार ने तत्काल प्रभाव से गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। अन्य देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर और सरकारों के अनुरोध के आधार पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी। भारत सरकार पड़ोसी और अन्य कमजोर विकासशील देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो गेहूं के वैश्विक बाजार में अचानक बदलाव से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हैं और पर्याप्त गेहूं की आपूर्ति तक पहुंचने में असमर्थ हैं। रूस और यूक्रेन की बीच जारी जंग की वजह से गेहूं की अंतरराष्ट्रीय कीमत में करीब 40 फीसदी तेजी आई है। इसकी वजह से भारत से गेहूं का निर्यात बढ़ गया है। मांग बढ़ने से स्थानीय स्तर पर गेहूं और आटे की कीमतों में भारी तेजी आई है। देशभर में पिछले काफी समय से खाद्य सामग्री के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं, जिस वजह से लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। पिछले साल के मुकाबले आटे की कीमत करीब 13 फीसदी बढ़ गई है।आठ

मई, 2021 को गेहूं के आटे का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 29.14 रुपये प्रति किलोग्राम था। केंद्र सरकार ने कहा कि कई गेहूं की वैश्विक कीमतों में अचानक वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप भारत, पड़ोसी और अन्य कमजोर देशों की खाद्य सुरक्षा खतरे में है। इस साल गेहूं की सरकारी खरीद में करीब 55 फीसदी की गिरावट आई है क्योंकि खुले बाजार में गेहूं की कीमत एमएसपी से कहीं ज्यादा मिल रही है। गेहूं की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,015 रुपए प्रति क्विंटल है।

अप्रैल में वनस्पति तेल का आयात घटकर 9.12 लाख टन रहा

नई दिल्ली ।

कच्चा पामतेल (सीपीओ) का आयात कम होने की वजह से खाद्य एवं अखाद्य तेलों सहित वनस्पति तेलों का आयात अप्रैल 2022 में 13 प्रतिशत घटकर लगभग 9.12 लाख टन रह गया। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने कहा कि अप्रैल 2022 में वनस्पति तेलों का आयात घटकर 9,11,846 टन रह गया जो अप्रैल 2021 में 10,53,347 टन का रहा था। खाद्य तेलों का आयात अप्रैल 2021 के 10,29,912 टन के मुकाबले घटकर अप्रैल 2022 में 9,00,085 टन रह गया। वहीं अखाद्य तेलों का आयात पहले के 23,435 टन से घटकर अप्रैल 2022 में 11,761 टन रह गया। अप्रैल के महीने में सीपीओ का आयात घटकर 4,14,829 टन रहे गया जो पिछले वर्ष के समान अवधि में 6,89,731 टन था। चालू तेल विपणन वर्ष नवंबर 2021 से अप्रैल 2022 के दौरान की पहली छमाही के दौरान वनस्पति तेलों का आयात चार प्रतिशत बढ़कर 67,07,574 टन हो गया जो पिछले तेल विपणन वर्ष की समान अवधि में 64,28,350 टन था। तेल विपणन वर्ष नवंबर से अक्टूबर तक चलता है।

मोदी सरकार ने नहीं बनी बात,टेस्ला ने भारत में कार बेचने का प्लान होल्ड किया

मुंबई ।

भारत में फिलहाल टेस्ला कारों की एंट्री होती नहीं दिख रही है। कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने अपनी इलेक्ट्रिक कारों को इंडियन मार्केट में बेचने का प्लान फिलहाल टाल दिया है। खबर के मुताबिक,टेस्ला इंक ने इंडिया में अपनी कारों के शोरूम के लिए जगह तलाशना बंद कर दिया है। इसके अलावा भारत में काम कर रही टीम को दूसरी जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। इस मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि कंपनी ने भारत में एंट्री को प्लानिंग को होल्ड कर दिया है। टेस्ला लंबे समय से मोदी सरकार से इलेक्ट्रिक कारों पर इंपोर्ट ड्यूटी कम करने की मांग कर रही थी। टेस्ला ने अमेरिका और चीन में स्थित प्रोडक्शन प्लांट से इंपोर्ट इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को कम टैरिफ पर बेचकर पहले टेस्टिंग की मांग की थी। लेकिन भारत सरकार टैरिफ कम करने से पहले टेस्ला को स्थानीय स्तर पर प्रोडक्शन करने के लिए कह रही थी। बता दें कि भारत में इंपोर्टेड कारों पर 100 प्रतिशत तक टैक्स लगता है। टेस्ला ने इंडिया में कारों की लॉन्चिंग के लिए 1 फरवरी की डेडलाइन तय की थी, लेकिन मोदी सरकार ने आम बजट में भी इस पर कोई पॉजिटिव रुख नहीं दिखाया। कंपनी की भारत योजना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जब केंद्र सरकार ने टेस्ला को कारों को इंपोर्ट करने पर रियायत देने की पेशकश नहीं की, तब टेस्ला ने भारत में कारों के आयात की योजना को रोक दिया। इससे पहले महीनों तक टेस्ला ने प्रमुख भारतीय शहरों में शोरूम और सर्विस सेंटर खोलने के लिए जगह की तलाश कर रहा थी। टेस्ला पहले इलेक्ट्रिक कारों के लिए भारतीय

बाजार को छोटे लेकिन उभरते हुए बाजार के तौर पर देख रहा था। हालांकि, इस सेगमेंट में भारतीय कार निर्माता टाटा का पहले से ही कब्जा है। इसके अलावा टेस्ला की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार की कीमत करीब 31 लाख रुपये से शुरू होती है। जो इस भारतीय बाजार में लग्जरी सेगमेंट में डाल देगी। इस सेगमेंट की बिक्री करीब 30 लाख की वार्षिक वाहन बिक्री का एक मामूली सा हिस्सा है।

दिल्ली सरकार ने डीटीसी में 1500 इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करने की अनुमति दी

- सरकार ने बैट्री स्वैपिंग और चार्जिंग के लिए 10 स्थान आवंटित करने की भी घोषणा की

नई दिल्ली ।

ईंधन लगातार महंगा होने की वजह से लोगों के साथ-साथ सरकार भी परेशान हो गई है। इसलिए नए विकल्प को तलाशते हुए दिल्ली सरकार ने डीटीसी में 1500 इलेक्ट्रिक बसों को शामिल किए जाने की अनुमति दे दी है। सरकार ने बैट्री स्वैपिंग और चार्जिंग के लिए 10 स्थान आवंटित करने की भी घोषणा की है। गौरतलब है कि ये बसें पहले से चल रही लो फ्लोर सीएनजी बसों से अलग होंगी। सरकार दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2020 के तहत यह कदम उठा रही है। सरकार ने 75 अंतर-राज्यीय बसों को भी अनुमति दी है। ये बसें 5 राज्य व एक केंद्रीय शासित प्रदेश में 11 रूटों पर चलेंगी। रकार ने एचएमवी (हेवी मोटर व्हीकल) लाइसेंसधारी ट्रेनी महिला बस चालकों के स्टाइपेंड को 6000 रुपये से बढ़ाकर 12,000 रुपये कर दिया है। वहीं, सरकार ने चालक बनने की इच्छुक महिलाओं के लिए 3 साल तक एचएमवी लाइसेंस को लेकर छूट दे दी थी। यानी वे बिना लाइसेंस के भी 3 साल तक बस ड्राइवर की ट्रेनिंग ले सकती हैं। दिल्ली सरकार बैट्री चार्जिंग व स्वैपिंग के लिए 10 स्थानों को चिह्नित किया है। यह स्थान हैं- अंबेडकर नगर डिपो, जलविहार टर्मिनल, दिलशाद गार्डन टर्मिनल, करावल नगर टर्मिनल, शादीपुर डिपो, मायापुरी डिपो, बिंदुपुर टर्मिनल, ईस्ट विनोद नगर, पंजाबी बाग, और रोहिणी डिपो-1। डीटीसी की बसें उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ के 11 रूट्स पर चलेंगी। यह रूट्स हैं- दिल्ली-ऋषिकेश, दिल्ली-हरिद्वार, दिल्ली-देहरादून, दिल्ली-हल्दवानी, दिल्ली-आगरा, दिल्ली-बरेली, दिल्ली-लखनऊ, दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-चंडीगढ़, दिल्ली-पानीपत, दिल्ली-पटियाला।

पिछले कुछ समय में पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों को चलाने का खर्च बहुत बढ़ गया है।

महंगे ईंधन से केवल आम इंसान नहीं सरकारें भी जूझ रही हैं। इसके अलावा इन वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर लगाम के लिए भी सरकारें अब इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन आधारित वाहनों को अधिक तवज्जो दी जा रही है।

मारुति सुजुकी हरियाणा में लगाएगी नया विनिर्माण संयंत्र

- पहले चरण में करेगी 11,000 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा कि वह हरियाणा में नया विनिर्माण संयंत्र स्थो पित करेगी, जिसके लिए वह पहले चरण में 11,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। एमएसआई ने शेयर बाजार को नए विनिर्माण संयंत्र के बारे में जानकारी दी। इसके मुताबिक, कंपनी सोनीपत जिले के आईएमटी खरखोदा में 800 एकड़ जमीन के आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके लिए कंपनी ने हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एचएसआईआईडीसी) के साथ करार किया है। कंपनी ने बताया कि नए संयंत्र का पहला चरण 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसकी उत्पादन क्षमता 2।5 लाख इकाई प्रति वर्ष की होगी। नए संयंत्र के निर्माण से जुड़ी प्रशासनिक मंजूरियां ली जानी अभी बाकी हैं। एमएसआई ने कहा कि वह संयंत्र के पहले चरण पर 11,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी ने कहा कि सोनीपत विनिर्माण संयंत्र में भविष्य में क्षमता विस्तार के लिए भी जगह होगी। फिलहाल मारुति सुजुकी के दो संयंत्र हरियाणा एवं गुजरात में सक्रिय हैं जिनकी कुल क्षमता करीब 5.5 लाख इकाई प्रति वर्ष है। एमएसआई के अध्यक्ष आरसी भार्गव ने कहा कि 11,000 करोड़ रुपए के निवेश में भूमि की लागत, प्रारंभिक उत्पादन लाइनों की स्थापना और अन्य सभी सहायक बुनियादी ढांचे की स्थापना शामिल है। भार्गव ने कोई वित्तीय ब्यौरा साझा किए बगैर कहा कि हम आगे बढ़ने के साथ-साथ और निवेश करेंगे। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र से कंपनी को आने वाले समय में बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। नया संयंत्र कंपनी के गुरुग्राम स्थित संयंत्र की जगह लेगा। यह नया संयंत्र तैयार हो रहा है और यह अब से लेकर 2025 तक पैदा हुई मांग को पूरा करेगा। मुझे नहीं पता कि उसके आगे मांग कैसी होगी। हम गुरुग्राम संयंत्र को तभी बंद कर सकते हैं, जब मांग नहीं बढ़ेगी और हमें अतिरिक्त क्षमता की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में बाजार की वृद्धि से संबंधित अनिश्चितताओं के कारण दीर्घकालिक योजनाओं को साझा करना संभव नहीं है। कंपनी ने पहले संकेत दिया था कि नया संयंत्र गुरुग्राम संयंत्र की जगह ले लेगा, जो गंभीर भीड़ के मुद्दों का सामना कर रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या नए संयंत्र का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहन के विनिर्माण में किया जा सकता है, भार्गव ने कहा कि ऐसा हो सकता है।

बैंक ऑफ बड़ौदा का चौथी तिमाही में मुनाफा 1,779 करोड़ पहुंचा

- बैंक का एनपीए भी घटकर 13,365 करोड़ रुपए रह गया

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा का मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में मुनाफा 1,779 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बैंक को वित्त वर्ष 2020-21 की समान तिमाही में 1,047 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च अवधि में उसकी कुल आय गिरकर 20,695।90 करोड़ रुपए रही। वित्त वर्ष 2020-21 की इसी अवधि में यह 21,501.94 करोड़ रुपए रही थी। बीते पूरे वित्त वर्ष के लिए बैंक का शुद्ध लाभ कई गुना बढ़कर 7,272.28 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 828.95 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि, समाप्त वित्त वर्ष के दौरान उसकी कुल आय घटकर 81,364.73 करोड़ रुपए रह गयी जो इससे एक साल पहले 83,429 करोड़ रुपए रहा था। संपत्ति की गुणवत्ता के आधार पर बीती तिमाही में बैंक का सकल एनपीए 6.61 प्रतिशत रहा, जो वित्त वर्ष 2020-21 की समान अवधि में 8.87 प्रतिशत रहा था. मूल्य के संदर्भ में मार्च, 2022 की समाप्त तिमाही में बैंक का सकल एनपीए घटकर 54,059 करोड़ रुपए रहा। वित्त वर्ष 2020-21 की समान अवधि में यह 66,671 करोड़ रुपए रहा था। बीती तिमाही में बैंक का शुद्ध एनपीए भी घटकर 13,365 करोड़ रुपए रह गया, जबकि इससे एक साल पहले की इसी अवधि में यह 21,780 करोड़ रुपए रहा था।बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए शेयरधारकों को प्रति शेयर 1.20 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है। एसबीआई के अनुसार, उसकी सालाना आधार पर नेट इंटरेस्ट इनकम 15.3 फीसदी बढ़कर 31,198 करोड़ रुपएगई, जबकि विश्लेषकों को 31,570 करोड़ रुपए की उम्मीद थी।

में आरसीबी के गेंदबाजों की जमकर धुनाई कर पंजाब को मजबूत शुरुआत दिलाई। बेयरस्टो ने 29 गेंद में 66 रन ठोक दिए। इस इंग्लिश बल्लेबाज की तूफानी पारी के कारण ही पंजाब 20 ओवर में 209 रन का बड़ा स्कोर खड़ा कर पाई। इसका पीछा करते हुए आरसीबी की पूरी टीम 155 रन पर ढेर हो गई। बेयरस्टो की सफलता के पीछे पंजाब किंग्स के कप्तान अग्रवाल का भी हाथ हैं। क्योंकि बेयरस्टो पहले मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी कर रहे थे और उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे थे। इसके बाद कप्तान मयंक ने अपना ओपनिंग स्लॉट बेयरस्टो के लिए छोड़ दिया और कप्तान का यह फैसला पंजाब के हक में गया।क्योंकि पारी की शुरुआत करते हुए बेयरस्टो ने बल्ले से तूफान मचाकर लगातार दूसरे मैच में फिफ्टी जड़ी और टीम को प्लेऑफ की दहलीज पर ला खड़ा किया। आरसीबी के खिलाफ जीत के बाद पंजाब किंग्स के 12 मैच से 12 अंक हैं और पंजाब को दो और मुकाबले खेलने हैं। एक दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ और दूसरा सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होना हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स आज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ प्लेऑफ में जगह पक्की करने के इरादे से उतरेगी

मुंबई ।

ईपीएल के मौजूदा सीजन में शानदार में चल रही लखनऊ सुपर जायंट्स विवार को प्लेऑफ में जगह पक्की करने दे से उतरेगी। उसकी कोशिश पिछले में मिली हार से उबरकर राजस्थान को हराने की होगी जिससे लखनऊ जायंटस को प्लेऑफ का टिकट मिल । लगातार 4 जीत के साथ अंक का में शीर्ष पर चल रही सुपर जायंट्स म ने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस के फ हार के साथ अपना नंबर एक स्थान म को गंवा दिया था।

र जायंट्स की टीम 16 अंक के साथ स्थान पर चल रही है और प्लेऑफ की ात से पहले एक और मैच गंवाना नहीं । वहीं रॉयल्स की टीम भी पिछले मैच ल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आठ विकेट से मिली करारी हार के बाद वापसी करके प्लेऑफ में जगह बनाने का अपना दावा मजबूत करेगी। इन दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने तीन विकेट से जीत दर्ज की थी। सुपर जायंट्स की टीम अगर आज जीत दर्ज करती है, तब उसकी प्लेऑफ में जगह सुनिश्चित होगी। रॉयल्स की टीम भी अगर जीत दर्ज करती है, तब अंतिम चार में जगह बनाने की तरफ एक और कदम बढ़ा लेगी। लखनऊ की टीम के लिए कप्तान राहुल और क्विंटन डिकॉक को एक बार फिर अधिकांश रन जुटाना होगा। टाइटंस के खिलाफ ये दोनों सस्ते में पवेलियन लौट गए थे और रॉयल्स के खिलाफ उम्दा पारी खेलना होगा। राहुल 12 मैच में 459 रन के साथ टूर्नामेंट के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं और अब तक दो शतक और इतने ही अर्धशतक जड़ चुके हैं। डिकॉक ने अब तक तीन अर्धशतक की मदद से 12 मैच में 355 रन जुटाए हैं। दीपक हुड्डा भी अच्छी फॉर्म में हैं और अब तक तीन अर्धशतक की मदद से 347 रन बना चुके हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज में बड़े शॉट खेलने की क्षमता भी है। रॉयल्स की टीम की नजरें फिर इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर पर टिकी होंगी जो 12 मैच में तीन अर्धशतक और इतने ही अर्धशतक की बदौलत 625 रन बना चुके हैं।

टीम के उनके साथी बल्लेबाज हालांकि अच्छी फॉर्म में नहीं हैं।कप्तान संजू सैमसन एक बार फिर क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। लेकिन उनका प्रदर्शन इतना बुरा भी नहीं रहा है। उन्होंने अब तक 12 मैच में दो अर्धशतक की मदद से 327 रन बनाए हैं। रॉयल्स के लिए अच्छी खबर है, कि देवदत्त पडिक्कल (12 मैच में 295 रन) ने पिछले दो मैच में 31 और 48 रन बनाकर प्रदर्शन में निरंतरता का संकेत दिया है लेकिन टीम को अब भी उनसे बड़ी पारी का इंतजार है। शिमरोन हेटमायर (11 मैच में 291 रन) ने कुछ अच्छी पारियां खेली हैं और 16 गेंद में नाबाद 31 रन बनाकर पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम की छह विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। रविचंद्रन अश्विन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में रॉयल्स के शीर्ष स्कोर थे, इसकारण टीम बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता का फायदा उठाने का प्रयास करेगी। रॉयल्स की टीम राहुल और डिकॉक जैसे बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए एक बार फिर लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल पर निर्भर होगी जो 12 मैच में 23 विकेट के साथ संयुक्त रूप से टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज हैं। चहल को अश्विन, ट्रेंट बोल्ट और प्रसिद्ध कृष्णा का अच्छा साथ मिल सकता है।

अंबाती रायडू ने फैंस को चौंकाया, आईपीए सीजन में किया संन्यास का ऐलान!

मुंबई ।

चेन्नई सुपर किंग्स के प्रमुख बल्लेबाज अंबाती रायडू का यह आखिरी आईपीएल सीजन होगा। उन्होंने अपने संन्यास की घोषणा की। 2010 में मुंबई इंडियंस के लिए डेब्यू करने वाले रायडू 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े थे। वे तीन बार मुंबई और दो बार चेन्नई के साथ आईपीएल चैंपियन रहे। 2019 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने के बाद अपने '3डी ट्वीट' की वजह से रायडू काफी चर्चा में आए थे। आईपीएल से संन्यास की घोषणा कर रायडू ने ट्विटर पर लिखा, 'मुझे यह घोषणा कर खुशी हो रही है, कि यह मेरा आखिरी आईपीएल होगा। 13 साल में मैंने आईपीएल खेलते हुए दो महान टीमों के साथ बेहतरीन समय बिताया है। अद्भुत यात्रा के लिए मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स को ईमानदारी से धन्यवाद देना पसंद करूंगा। वहीं अंबाती रायुडू के ऐसा करने के बाद सीएसके टीम के सीईओ कासी विश्वनाथ की प्रतिक्रिया सामने आई। कासी विश्वनाथ ने कहा कि रायुडू रिटायरमेंट नहीं ले रहे हैं। हो सकता है, वहां अपने प्रदर्शन से खुश नहीं थे और इसी की वजह से ऐसा किया है। ये सिर्फ एक मनोवैज्ञानिक बात है और मुझे ऐसा ही लगता है ही वहां हमारे साथ बने रहने वाले हैं।

हालांकि उनके संन्यास पर स्थिति अभी साफ है, क्योंकि बल्लेबाज ने कुछ देर बाद अपना डिलीट कर दिया। इसकारण फैंस कंफ्यूज हो कि रायडू ने सही में संन्यास लिया है या कुछ अ बात है। यह पहली बार नहीं है, जब अंबाती राय फैंस को चौंकाया है। उन्होंने 2019 वर्ल्ड क बीच में ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्याल का कर दिया था। वे टूर्नामेंट से पहले तक टीम के बल्लेबाज थे। लेकिन टीम में जगह नहीं मिलने के उन्होंने पहले सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहि और फिर संन्यास का ऐलान कर दिया। हालांकि महीने बाद ही उन्होंने यू-टर्न लेकर वापसी की की थी।

अभी तक अंबाती रायडू ने 187 आईपीएल खेले हैं। इसमें इस बल्लेबाज ने 29 की औसत 127 की स्ट्राइक रेट से 4187 रन बनाए हैं। एक शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। आई 2018 में चेन्नई के लिए उन्होंने 602 रन बना यह उनका सबसे बेहतरीन सीजन था।

कोविच ने सेमीफाइनल में मारी एंट्री, पर से होगी भिड़ंत

म । दुनिया के -1 खिलाड़ी क जोकोविच ने र प्रदर्शन करते इटली ओपन प टूर्नामेंट के फाइनल में जगह ली। जोकोविच ने मुकाबले में क्स आगर को सेटों में हरा दिया। अब जोकोविच का सामना सेमीफाइनल में र रूड से होगा। जोकोविच को क्वार्टर फाइनल जीतने में थोड़ी त करनी पड़ी। उन्होंने फेलिक्स को 7-5, 7-6 से मात दी। विच ने इस जीत के साथ सुनिश्चित किया कि सोमवार को जब तम एटीपी रैंकिंग जारी होगी, तब दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल देव उन्हें पछाड़ नहीं पाएंगे और वह टॉप पर बरकरार रहूंगा। वहीं, ने क्वार्टर फाइनल में डेनिस शापोवालोव को सीधे सेटों में हराया। के 23 वर्षीय खिलाड़ी ने शापोवालोव पर जीत दर्ज की। जोकोविच जरें अपने करियर के 38वें एटीपी 1000 मास्टर्स खिताब पर लगी ह इससे पहले 5 बार इटली ओपन खिताब जीत चुके हैं। कैस्पर के खिलाफ जोकोविच का रिकॉर्ड भी 2-0 का है। उन्होंने 2020 गैरों सेमीफाइनल में सीधे सेटों में रूड को हराया था। जोकोविच ने 'यह शीर्ष स्तर का टेनिस था। मुझे अपना स्तर बेहतर करना पड़ा लगातार अच्छा टेनिस खेलना पड़ा।

आज चेन्नई को हराकर शीर्ष दो में जगह पक्की करने का प्रयास करेगी गुजरात टाइटंस

मुंबई ।

प्लेऑफ में जगह पक्की कर चुकी गुजरात टाइटंस की टीम रविवार को आईपीएल में खिताब की दौड़ से बाहर हो चुकी चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ जीत दर्ज करके शीर्ष दो में जगह पक्की करने का प्रयास करेगी। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर दो मैच शेष रहते ही प्लेऑफ में जगह सुनिश्चित कर ली। टाइटंस की टीम 12 मैच में 18 अंक के साथ शीर्ष पर हैं, और रविवार को जीत से टीम की शीर्ष दो में जगह लगभग सुनिश्चित होगी, इसका मतलब होगा कि टीम को फाइनल में जगह बनाने का अतिरिक्त मौका मिलेगा। अंक तालिका में नौवें स्थान पर चल रही गत चैंपियन सुपरकिंग्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और बाकी बचे दो मैच में प्रतिष्ठ बचाने के इरादे से खेलेगी।

लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में 62 रन की जीत के साथ टाइटंस ने प्लेआफ में जगह पक्की की, जबकि सुपरकिंग्स को अपने पिछले मैच में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल, कप्तान हार्दिक, डेविड मिलर, रिद्धिमान साहा और राहुल तेवतिया ने सत्र के दौरान टाइटंस की ओर से अच्छी बल्लेबाजी की है और सुपरकिंग्स के खिलाफ भी वे इस लय को जारी रखना चाहेगी। अपने पहले ही सत्र में टाइटंस के शानदार प्रदर्शन का श्रेय उसकी मुश्किल हालात में वापसी करने की क्षमता हो जाता है। पिछले कुछ मुकाबलों में हालांकि टाइटंस के बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और हार्दिक को अपने बल्लेबाजों से प्रदर्शन में निरंतरता की उम्मीद होगी। पिछले मैच में गिल (नाबाद 63) ही क्रीज पर डटकर बल्लेबाजी कर पाए और पूरी पारी के दौरान नाबाद रहे जिससे टाइटंस ने चार विकेट पर 144 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया और फिर आसानी से इसका बचाव किया। टाइटंस के टीम प्रबंधन को साथ ही उम्मीद होगी कि हार्दिक, मिलर और तेवतिया का बल्ला फिर रन उगलेगा। टाइटंस का मजबूत पक्ष हालांकि उसका गेंदबाजी आक्रमण हैं, इसमें मोहम्मद शमी, लॉकी फर्ग्युसन और राशिद खान जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज शामिल हैं। शमी 16 विकेट के साथ टीम के सबसे सफल गेंदबाज हैं, जबकि फर्ग्युसन अपनी तूफानी गेंदबाजी के किसी भी बल्लेबाजी क्रम को परेशानी में डालने में सक्षम हैं। राशिद भी धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल कर चुके हैं और पिछले मैच में उन्होंने चार विकेट चटकाए थे। यश दयाल ने भी विकेट हासिल किए हैं, लेकिन उनकी इकोनॉमी रेट चिंता का कारण हैं, जबकि आर साई किशोर ने अपने पहले ही मैच में राशिद का अच्छा साथ निभाते हुए दो विकेट चटकाए। वहीं सुपरकिंग्स के लिए मौजूदा सत्र बुरे सपने की तरह रहा है और शुरुआत से ही कुछ भी चीज उसके पक्ष में नहीं हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

आरसीबी के कप्तान डुप्लेसिस ने करारी शिकस्त का बताया कारण

मुंबई । आईपीएल 2022 में टीमों की भिड़त रोमांचक होती रही है। प्लेऑफ के लिए आगे बढने् के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंग को अभी इंतजार करना पड़ेगा। ब्रेबोर्न स्टेडियम में पंजाब किंग्स खिलाफ खेले गए मुकाबले में बेंगलुरु को करारी हार झेलनी प बेंगलुरु के गेंदबाज तो पिटे ही साथ ही साथ टॉप बल्लेबाजी भी स्व नहीं बना पाए। मैच गंवाने के बाद आरसीबी के कप्तान फाफ प्लेसिस ने इस पर बात की। उन्होंने कहा- यह एक अच्छा स्कोर जाहिर तौर पर जॉनी ने जिस तरह शुरुआत की, उसने हमारे गेंदब को वास्तव में दबाव में डाल दिया। 200 इस विकेट पर बराबर यह शानदार विकेट था। जब आप इस तरह के स्कोर का पीछा रहे होते हैं तो आप क्लस्टर में विकेट गंवाने का जोखिम नहीं सकते और दुर्भाग्य से हमारे साथ ऐसा ही हुआ है। डुप्लेसिस कोहली कर परफार्मेंस पर कहा कि वह सिर्फ काम कर रहे हैं। इ तरह खेल काम करता है। आप बस इतना बोल सकते हैं कि व मेहनत करते रहो, मेहनत न छोड़ो या सकारात्मक रहा। उसने अ रात कुछ अच्छे शॉट खेले, जाहिर है वह चाहता है कि वह अ बढ़े। लेकिन जैसा की होता है कि कई बार कुछ खराब क्षण आ ज हैं। आज रात हमारे लिए बहुत अच्छी नहीं थी। अब हम एक की छुट्टी लेंगे और फिर देखेंगे कि अगले मुकाबले के लिए क किया जाए। डुप्लेसिस ने कहा कि एक और नेट सत्र आपको बेहतर खिलाड़ी नहीं बनाने वाला है, यह अपने आप को दिमाग मजबूत बनाने के बारे में है। अगर हम अपनी क्षमता के अनु खेलते हैं तो हम बहुत मजबूत पक्ष हैं। दुर्भाग्य से, हमने आज ऐसा नहीं किया।

महिला मुक्केबाजी विश्व स्पर्धा में लवलीना ने किया निराश, पूजा क्वार्टरफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली । महिला मुक्केबाजी विश्व स्पर्धा में टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन का आईबीए वि चैम्पियनशिप के 70 किग्रा वर्ग में अभियान शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में मिली निराशाजनक हार के साथ समाप्त हो ग जबकि साथी भारतीय मुक्केबाज पूजा रानी (81 किग्रा) ने इस्तां में अंतिम आठ चरण में जगह बनाई। पिछले साल टोक्यो में पोडि स्थान हासिल करने वाली लवलीना अपनी पहली अंतरराष् प्रतियोगिता खेल रही थीं। लेकिन वह प्री क्वार्टरफाइनल में 'फे चांस टीम' (एफसीटी) की सिंडी एनगाम्बा से 1-4 से गयी।वहीं दो बार की एशियाई चैम्पियन पूजा ने शुरूआती मुकाबले हंगरी की टिमिया नागी को 5-0 से पराजित किया। अब भिवानी इस मुक्केबाज का सामना सोमवार को क्वार्टरफाइनल में आस्ट्रेलिया जेसिका बागले से होगा। इससे पहले असम की 24 वर्षीय लवली ने आक्रामक शुरूआत की लेकिन वह अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं कर स और एफसीटी की सिंडी से हार गयीं लवलीना ने पहले दौर में विश्व चैम्पियन चेन निएन चिन को हराया था।

चयनकर्ताओं से मिलेंगे रोहित शर्मा, दक्षिण अफ्रीका श्रंखला के लिए घोषित हो सकती है टीम

मुंबई ।

आईपीएल-2022 के रोमांच राबोर क्रिकेट प्रेमियों के लिए खबर आ रही है। प्लेऑफ क टीम पक्की हो गई है तो 7 के बीच 3 स्थान के लिए जारी है। दक्षिण अफ्रीका के फ होने वाली टी20 सीरीज ए जल्द ही टीम इंडिया की गा हो सकती है। दक्षिण का की टीम 5 मैचों की ज के लिए भारत का दौरा । सीरीज की शुरुआत 9 जून ल्ली के फिरोज शाह कोटला यम में होगी। टीम के प्रमुख ड़ी अभी आईपीएल में खेल ।

रतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा 23 मई को मुंबई में चयनकर्ताओं से मिल सकते हैं। इसी दिन आईपीएल का पहला क्वालिफायर भी होना है। रिपोर्ट्स की मानें तो सीरीज के लिए टीम की घोषणा 26 मई को हो सकती है। रोहित शर्मा के नियमति कप्तान बनने के बाद से भारतीय टीम अभी तक कोई सीरीज नहीं हारी है। टीम को दक्षिण अफ्रीका में हार मिली थी, लेकिन रोहित उसमें टीम का हिस्सा ही नहीं थे। रिपोर्ट्स की मानें तो टीम के प्रमुख खिलाड़ी विराट कोहली, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जाएगा। रोहित शर्मा को भी आराम देने की बात हो रही थी, लेकिन उनकी टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंची है। ऐसे में रोहित को करीब एक

हफ्ते का अतिरिक्त आराम मिल जाएगा। 4 जून को भारतीय खिलाड़ी बैंगलोर स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में जमा होंगे। जिसके बाद वे सीरीज के लिए दिल्ली आएंगे।

भारतीय टीम के कई बड़े नाम चोट की वजह से मैदान से दूर चल रहे हैं। टी20 टीम के प्रमुख बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के साथ ही ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा भी चोटिल हैं। तेज गेंदबाज दीपक चाहर तो आईपीएल से पहले से ही मैदान से दूर हैं। टी नटराजन और वाशिंगटन सुंदर भी चोटिल चल रहे हैं। हालांकि आईपीएल में कई युवा खिलाड़ियों ने गेंद और बल्ले से धमाल मचाया है। ऐसे में कई नए नामों को टीम इंडिया में एंट्री मिल सकती है।

धोनी ने गेंदबाज कुमार कार्तिकेय अपने ऑटोग्राफ वाली गेंद गिफ्ट की

नई दिल्ली ।

एमएस धोनी की अगुआई वाली चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल 2022 से बाहर हो चुकी है। मुंबई ने 5 विकेट से हराकर सीएसके को टूर्नामेंट से बाहर किया। मुंबई पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई थी, मगर मुंबई ने धोनी की टीम का भी खेल बिगाड़ दिया। इस मैच के बाद धोनी ने मुंबई के गेंदबाज कुमार कार्तिकेय को खास गिफ्ट दिया, जिन्होंने मुंबई की जीत में बड़ा योगदान दिया। कार्तिकेय ने 22 रन पर 2 विकेट लेकर चेन्नई को 97 रन पर समेट दिया। मैच के बाद कार्तिकेय को धोनी ने अपने ऑटोग्राफ वाली गेंद गिफ्ट की। दो बार के वर्ल्ड कप विजेता कप्तान धोनी अक्सर आईपीएल मैच के बाद युवा खिलाड़ियों से बात करते हुए नजर आते हैं और इस बार उन्होंने कार्तिकेय को अहम सलाह और टिप्स दिए। चेन्नई के बल्लेबाज मुंबई के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके और पूरी टीम 16 ओवर में 97 रन पर ही आउट हो गई। सीएसके के लिए सबसे ज्यादा नाबाद 36 रन धोनी ने ही बनाए। कार्तिकेय ने एक ही ओवर में ड्वेन ब्रावो और सिमरजीत सिंह को अपना शिकार बनाया। कार्तिकेय के अलावा डैनियम सैम्स ने 3 विकेट लिए। 98 रन के लक्ष्य को मुंबई ने 14.5 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 103 रन बना लिए। मुंबई के लिए तिलक वर्मा ने सबसे ज्यादा नाबाद 34 रन बनाए। वहीं सीएसके के मुकेश चौधरी ने 23 रन पर 3 विकेट लिए।

पाकिस्तान में होते तब अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे होते उमरान मलिक : कामरान अकमल

राची । सनराइजर्स हैदराबाद के तूफानी गेंदबाज उमरान मलिक अपनी तेज बॉलिंग के कारण सुर्खियों में हैं। उमरान आईपीएल में भारत की तरफ सबसे तेज गेंद फेंक चुके हैं। उनकी बॉलिंग की स्पीड देखकर देश और दुनिया के क्रिकेट दिग्गज हैरान हैं। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल का मानना है कि अगर उमरान पाकिस्तान सेट-अप का हिस्सा होते, तब उन्हें पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का मौका मिल गया उमरान पिछले 2 सीजन से सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल में खेल रहे हैं। आईपीएल 2022 में उन्होंने सनराइजर्स के लिए 11 मैचों में विकेट लिए हैं। कामरान ने कहा, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज उमरान मलिक अगर पाकिस्तान में होते, तब शायद वह इंटरनेशनल क्रिकेट खेल ते। उनकी इकोनॉमी हाई है। लेकिन विकेट मिलने के बाद से वह स्ट्राइक बॉलर हैं। हर मैच के बाद उनका स्पीड चार्ट जारी होता है। वह 155 की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। यह भारतीय टीम के लिए अच्छी स्पर्धा है। साल 2008 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल चुके कामरान अकमल का मानना है कि भारत के पास इनदिनों तेज गेंदबाजों का जत्था है।

उम्मीद पर खरे नहीं उतरे रविंद्र जडेजा, सीएसके अगले कप्तान की तलाश में!

मुंबई।

आईपीएल2022 में टीमों में इस काफी उलटफेर देखने को । सीएसके ने पहली बार ना कप्तान बदला। आईपीएल 22 की शुरुआत में महेंद्र सिंह ने कप्तानी छोड़ने का फैसला । उनकी जगह कमान मिली राउंडर रविंद्र जडेजा को। द थी कि वे चेन्नई को नए म पर ले जाएंगे। लेकिन का उल्टा हुआ। टीम को मोर्चा संभाला, लेकिन उनका करियर अंत की तरफ है।

यही वजह है कि चेन्नई सुपर किंग्स को जल्द से जल्द नए कप्तान की तलाश करनी होगी। जिसे लेकर वीरेंद्र सहवाग ने अपनी प्रतिक्या दी है। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज का मानना है कि रुतुराज गायकवाड़ टीम के अगले कप्तान बनने की क्षमता रखते हैं। क्रिकबज पर बात करते हुए सहवाग ने कहा, 'वह महाराष्ट्र की कप्तानी करते हैं। वह काफी शांत हों, उनका रिएक्शन एक जैसा ही होता है। यह उनके चेहरे से नहीं दिखता कि वह शतक बनाने से खुश हैं या डक के लिए आउट होने से दुखी हैं।

वीरेंद्र सहवाग का कहना है कि रितुराज में कप्तान बनने के सभी गुण हैं। उन्होंने आगे कहा, 'उनमें एक अच्छा कप्तान बनने के लिए जरूरी सभी गुण हैं। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कप्तानी करते हैं, इसलिए उन्हें पता है कि मैच को कैसे कंट्रोल करते हैं। गेंद किसे दी

गायकवाड़ ने आईपीएल 2021 में ऑरेंज कैप जीता था। इस साल उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता की

कहा, 'किसी का भी एक सीजन अच्छा हो सकता है, लेकिन अगर वह 3-4 सीजन अच्छा खेलता है

राहुल चाहर का खुलासा, हाथ पर टांके लगने से विकेट नहीं ले पा रहा हूं

मुंबई ।

पंजाब किंग्स के लेग स्पिनर राहुल चाहर ने खुलासा किया है, कि वह हाथ पर टांके लगने के बा आईपीएल 2022 में खेल रहे हैं। चाहर ने विकेट ना लेने का कारण भी चोट को बताया है। चाहर ने सीज पहले नौ मैचों में 12 विकेट लिए। हालांकि गुजरात टाइटंस के खिलाफ 10वें मैच में वह नॉन-स्ट्राइकर के पर रन-आउट के चलते उसकी उंगली टूट गई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ पंजाब किंग्स के मै पहले चाहर ने चोट पर अफसोस जताकर कहा कि वह अब अपनी इकोनॉमी दर में सुधार पर ध्यान क करेगा। उन्होंने कहा कि विकेट गेंदबाज के रूप में आपके हाथ में नहीं हैं, जबकि किफायती होना नियंत्रण उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैंने वास्तव में अच्छी शुरुआत की, फिर यह मध्य चरण में भी अच्छा पिछले दो-तीन मैच अच्छे नहीं थे। इसका एक कारण यह है कि मैं अपने हाथ में टांके लगाकर खेला औ मेरी मुख्य उंगली है। टांके अभी भी लगे हैं लेकिन मैं आगामी मैचों में अपनी इकॉनमी रेट को बेहतर कर कोशिश करूंगा। एक गेंदबाज के रूप में विकेट आपके हाथ में नहीं है, लेकिन इकोनॉमी है। यह दे दिलचस्प होगा कि वह रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं। उनके खिलाफ सात मैचों में 50.75 की औसत से सिर्फ चार विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा कि टीम कुछ जीत हासिल करना चाहती है रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ उस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप स

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

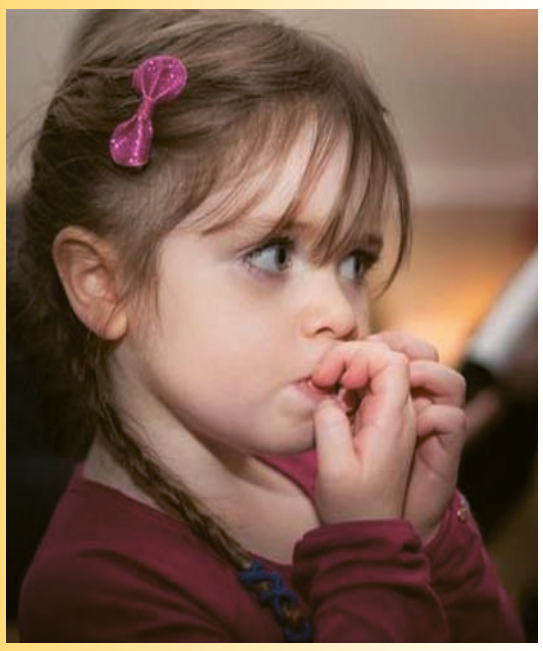

बच्चे की नाखून चबाने की आदत ऐसे होगी दूर

कई बार देखा गया है कि बच्चों को जाने-अनजाने नाखून चबाना, दांत पीसना या बेवजह पैर हिलाने की आदत पड़ जाती है। अभिभावक इसे मामूली समझ नजरअंदाज कर देते हैं, जोकि सही नहीं है। मगर, लंबे समय तक ऐसा करने से सेहत को नुकसान होता है। चलिए हम आपको बताते हैं कि बच्चों में स्टिमिंग का आदत को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

बच्चों में नाखून चबाना, बालों को घुमाना, पैर-हाथ हिलाने की आदतों को इन आदतों को ऑटिज्म से जुड़ा माना जाता है। हालांकि अगर समय रहते अभिभावक कुछ उपाये करें तो उनकी ये आदतें छुड़वाई भी जा सकती है।

इसने कई प्रकार के नुकसान होते हैं।

- गंदगी से भरे नाखून जब मुंह में जाते हैं तो इससे बच्चों को इंफेक्शन, दांत कमजोर, मसूड़ों की बीमारियां, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन्स , डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।
- पैर हिलाने की आदत से लगातार पैरों में दर्द व सनसनी, खिंचाव, भारीपन, , कमजोर मांसपेशियां और पैरों में चुभन महसूस होने लगती है। वहीं, इससे जोड़ कमजोर और ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ने का डर भी रहता है।
- लंबे समय तक उंगलियां चटकाने से गठिया रोग की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, ये हड्डियां एक दूसरे से जुड़ी होती है और उंगलियां चटकाने से इनके बीच मौजूद द्रव कम होता जाता है, जिससे बच्चे इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

नाखून चबाने की आदत

बच्चों की उंगलियों में नीम या लौंग का तेल लगा दें। इसका स्वाद कड़वा होता है, जिससे बच्चे की नाखून चबाने की आदत छोड़ देती है।

बच्चों को व्यस्त रखें। उनसे ड्रांइग करवाएं या हाथों की कोई भी एक्टिविटी करवाएं। अगर बच्चे पढ़ते या टीवी देखते समय ऐसा करते हैं तो उन्हें खानपान में व्यस्त रखें ।

पैर हिलाने पर तुरंत टोकें

जैसे ही बच्चे पैर हिलाने लगे तो उन्हें तुरंत टोक दें। आपके बार-बार ऐसा करने से उनकी आदत दूर हो जाएगी। हो सकता है बच्चा ऐसा स्ट्रेस की वजह से कर रहे हों। ऐसे में उन्हें तनावमुक्त रखने के लिए फिजिकल एक्टिवीटी ज्यादा करवाएं और उन्हें व्यस्त रखें।

योग से दूर होगा स्ट्रेस

आपका बार-बार बालों से खेलता है तो उन्हें टोक दें और समझाएं कि ये गलत है। शुरु से ही बच्चे को तनाव मुक्त और रखने के लिए योगा करवाएं।

कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक चीजें खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अक्सर अभिभावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। कुछ आहार ऐसे हैं जिनसे बीमारियों से बचाव के साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है।

बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

शकरकंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने का होने के बाद खिला सकते हैं। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को सही वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम आदि से भरपूर केले का सेवन करने से अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन केक या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं।

पौष्टिक गुणों से भरपूर आडू का सेवन करने से बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है। आप इससे शेक, फ्रूट चाट, स्मूदी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। साथ ही मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है।

घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

मटर

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि अधिक मात्रा में होते हैं। आप बच्चों को मटर का सूप, खिचड़ी या सब्जी के रूप में खिला सकते हैं। इससे बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है। आप इसे सीधा या सलाद में मिलाकर खिला सकती है।

सूखे मेवे

बच्चे की ग्रोथ के लिए उसकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है। आप इसे रातभर भिगो कर या पाउडर बनाकर बच्चे के दूध में मिलाकर पिला सकते हैं। इसके अलावा इसके लड्डू या बर्फी में मिलाकर भी इसे खिलाया जा सकता है। मगर हैवी होने के चलते इसे बच्चे को हफ्ते में 2 बार ही खिलाएं।

हैल्दी ड्रिंक्स

आप घर ही साबुत अनाज, दालों को मिक्सी में पीसकर मल्टीग्रेन पाउडर तैयार कर सकते हैं। इस पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाएंगे।

आलू

6 महीने बाद बच्चों को आलू उबाल कर खिलाना फायदेमंद होता है। इससे बच्चे की ग्रोथ अच्छे से होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आप आलू को खिचड़ी, सूप, उबालकर आदि तरह बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें। ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी।

किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें देने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हों या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं।

दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाएं।

अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।

बच्चों को समझाएं कि सड़क के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें।

बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सके।

कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।

बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें।

यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें।

उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

बच्चों को बताएं गुड और बैड टच में अंतर

जिस प्रकार आजकल मासूम बच्चों के साथ अपराध बढ़ रहे हैं उससे अभिभावकों का चिंतित होना लाजिमी है। बच्चों को घर के अंदर बंद तो नहीं रखा जा सकता। ऐसे में उन्हें किसी भी अप्रिय घटना से बचने के तरीके समझाना जरुरी है क्योंकि हाल के दिनों में स्कूलों में भी बच्चों के साथ कई हादसे हुए हैं।

बच्चों को सतर्क करना इसलिए जरुरी हैं क्योंकि बच्चे बहुत ज्यादा भोले और मासूम होते हैं। उनको अच्छे और बुरे की कोई समझ नहीं होती। जो भी उनको प्यार से बुलाता है वह उसको अपना समझने लगते हैं। उस व्यक्ति के साथ प्यार से बात करने लगते हैं। कई बार तो बच्चे अनजान इंसान के साथ भी चले जाते हैं। बच्चे मन के साफ होते हैं वह समझ नहीं पाते कि किसी के दिमाग में क्या है। ऐसे में मां-बाप को चाहिए कि वह अपने बच्चों को गुड और बैड टच के बारे में जरूर बताएं। ताकि वह किसी यौन शोषण का शिकार ना हो पाएं।

बताएं क्या है बैड टच और गुड टच

बच्चों को नहीं पता कि गुड टच और बैड टच क्या होता है। इसलिए आप उन्हें ना सिर्फ इसके बारे में बताएं बल्कि उन्हें समझाने की कोशिश करें, ताकि वो आसानी से समझ सके। बच्चों को बतायें कि कोई भी अनजान उनके करीब आने का प्रयास करे तो दूर हो जायें और अगर वह उन्हें जबरदस्ती पकड़े तो शोर मचाकर लोगों को बतायें। किसी अनजान की बातों में न आयें और न ही खाने पीने का सामान लें। कोई लालच दे तो भी इंकार कर दें।

तेज दिमाग के लिए बच्चों को एनर्जी ड्रिंक

अगर आप का बच्चा भी जल्दी भूल जाता है और इससे उसे पढाई में भी परेशानी आती है तो इसमें पोषण की कमी हो सकती है। कई बार संतुलित आहार या किसी तत्व की कमी से भी ऐसा होता है। इसका कारण यह भी है कि बच्चे खाने- पीने में बहुत ही आनाकानी करते हैं। ऐसे में उन्हें सही पोषण न मिलने के कारण दिगाम का विकास ठीक से नहीं हो पाता। ऐसे में बच्चों को ड्राई फ्रूट्स से एक एनर्जी ड्रिंक बनाकर दें। प्रतिदिन इस एनर्जी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की यददाश्त बेहतर होने के साथ ही उसका दिमाग भी तेज होगा। एनर्जी ड्रिंक के लिए खरबूजे के बीज, हरी इलायची, बादाम, खसखस, सौंफ और काली मिर्च को मिलाकर बनाया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स से तैयार इस ड्रिंक को पीने से बच्चे को सभी उचित तत्व आसानी से मिल जाएंगे। इससे उसके शरीर व दिमाग का बेहतर तरीके से विकास होने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा। आप इसे बच्चों को सुबह और शाम को भूख लगने पर पिला सकती है। इससे मिलेंगे ये फायदे

तेज दिमाग

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट का सेवन करने से दिमाग का विकास अच्छे से होगा। ऐसे में स्मरण शक्ति बढ़ने में मदद मिलेगी।

खून की कमी होगी दूर

सूखे मेवों से तैयार इस ड्रिंक को पीने से शरीर को भरपूर मात्रा में आयरन मिलेगा। ऐसे में खून की कमी पूरी होगी। साथ ही थकान व कमजोरी की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

विटामिन-ए का उचित स्त्रोत होने से आंखों की रोशनी बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा भी कम रहेगा।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ेगी

इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी। ऐसे में बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। साथ ही बच्चे में सुस्ती व कमजोरी दूर हो ताकत आएगी। इसतरह आपका बच्चा दिनभर एनर्जेटिक महसूस करेगा।

सही वजन दिलाए

रोजाना इस ड्रिंक के 1-2 गिलास बच्चे को जरूर पिलाएं। इससे बच्चों का दुबलापन दूर हो उन्हें सही वजन मिलने में मदद मिलेगी।

मजबूत हड्डियां

इसके सेवन से विटामिन, कैल्शियम की कमी पूरी होगी। ऐसे में बच्चे के मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। साथ ही बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

कब्ज से राहत

इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होने से कब्ज की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। पेट अच्छे से साफ हो बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

बेहतर पाचन तंत्र

सूखे मेवे विटामिन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होते हैं। ऐसे में इस ड्रिंक का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होने में मदद मिलती है। इससे अपच, पेट दर्द, एसिडिटी की परेशानी से राहत मिलती है.

सार समाचार

ओंटारियो प्रांतीय चुनावों में पंजाबियों का जलवा, 20 उम्मीदवार मैदान में

आटोवा । कनाडा के प्रांतीय चुनावों में पंजाबियों की अहम भूमिका रहती है। कनाडा के राजनीतिक दल प्रांतों में पंजाबियों की जनसंख्या को देखकर उन्हें चुनावी मैदान में उतारते हैं। ओंटारियो प्रांतीय चुनावों के लिए भी पंजाब मूल के 20 उम्मीदवार मैदान में हैं, जहां 123 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 2 जून को मतदान होना है। तीन प्रमुख राजनीतिक संगठन लिबरल, नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) और प्रोग्रेसिव कंजरवेटिव पार्टी (पीसी) दक्षिण एशियाई और विशेष रूप से पंजाबियों को अच्छा खासा प्रतिनिधित्व प्रदान करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक फाइनल लिस्ट में लिबरल पार्टी और प्रोग्रेसिव कंजरवेटिव पार्टी ने छह-छह पंजाबी, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी ने पांच और ग्रीन पार्टी ने दो उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, जबकि एक निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में है। अधिकांश पंजाबी प्रवासी बहुल टोरंटो के ब्रैम्पटन और मिसिसॉगा उपनगरों के 11 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं। प्रोग्रेसिव कंजरवेटिव पार्टी ने ब्रैम्पटन ईस्ट से हरदीप ग्रेवाल, ब्रैम्पटन वेस्ट से अमनजोत संधू और मिसिसॉगा माल्टन से दीपक आनंद को मैदान में उतारा है। उदारवादियों ने ब्रैम्पटन ईस्ट से जन्नत गरेवाल, ब्रैम्पटन नॉर्थ से हरिंदर मल्ही, ब्रैम्पटन वेस्ट से रिम्मी झज्ज, मिसिसॉगा माल्टन से अमन गिल, ब्रैंटफोर्ड ब्रेंट से रूबी तूर और एसेक्स से मनप्रीत बरार को मैदान में उतारा है। एनडीपी ने सारा सिंह को ब्रैम्पटन सेंटर से, संदीप सिंह को ब्रैम्पटन नॉर्थ से, नवजोत कौर को ब्रैम्पटन वेस्ट और जसलीन कंबोज को थॉर्नहिल से मैदान में उतारा है। वहीं ग्रीन पार्टी ने अनीप ढडे को ब्रैम्पटन नॉर्थ से और मिनी बत्रा को डरहम से, जबकि मनजोत सेखों को ओंटारियो पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। 2018 में जीत हासिल करने वाले सात पंजाबी फिर से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें से मिसिसॉगा स्ट्रीटविले से नीना तंगरी, मिल्टन से नागरिकता और बहुसंस्कृतिवाद मंत्री परम गिल, ओंटारियो ट्रेजरी बोर्ड के अध्यक्ष पर्बमीत सरकारिया ब्रैम्पटन साउथ से और एनडीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगमीत सिंह के छोटे भाई गुररतन सिंह शामिल हैं।

श्रीलंका को 65 हजार टन यूरिया की तत्काल आपूर्ति करेगा भारत

कोलंबो । गहरे आर्थिक एवं राजनीतिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका को भारत ने 65,000 टन यूरिया की तत्काल आपूर्ति का भरोसा दिलाया है, जिसका इस्तेमाल धान की खेती में होगा। स्थानीय मीडिया में प्रकाशित खबरों के मुताबिक, नई दिल्ली स्थित श्रीलंकाई उच्चायुक्त मिलिंदा मोरागोडा ने गत गुरुवार को उर्वरक सचिव राजेश कुमार चतुर्वेदी के साथ मुलाकात में उर्वरक का मुद्दा उठाया। इस दौरान चतुर्वेदी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि भारत जल्द ही श्रीलंका को 65,000 टन यूरिया की आपूर्ति करेगा। श्रीलंका के उच्चायोग ने संदेश में इस मदद के लिए भारत को धन्यवाद देकर कहा कि फसलों के चालू ह्ययालाह्ल सत्र के लिए यूरिया की आपूर्ति करने का फैसला भारत ने आपूर्ति पर लगाई पाबंदी के बावजूद लिया है। इसके पीछे श्रीलंका को धान की खेती वाले याला सत्र में तत्काल मदद पहुंचाने का उद्देश्य है। इस कदम के लिए श्रीलंकाई उच्चायुक्त ने चतुर्वेदी के प्रति आभार जताकर उर्वरक सचिव ने कहा कि यह फैसला ह्यपड़ोसी पहलेह्ल की भारतीय नीति के अनुरूप है। चतुर्वेदी ने कहा कि यूरिया की इस खेप को जल्द-से-जल्द श्रीलंका पहुंचाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इस बैठक में दोनों ही अधिकारियों ने भारत की तरफ से श्रीलंका को दी गई ऋण-सुविधा के तहत रासायनिक उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के तौर-तरीकों पर चर्चा की।

बिना टीकाकरण कोरोना पर लगाम लगाएगा उत्तर कोरिया? कोविड से मरने वालों की संख्या 27 हुई

सियोल। उत्तर कोरिया ने शनिवार को देश में बुखार से जूझ रहे 21 और लोगों की मौत की पुष्टि की। उसने 174,440 नए मरीजों में बुखार के लक्षण उभरने की जानकारी भी दी। उत्तर कोरिया अपनी बिना टीकाकरण वाली आबादी में कोविड-19 के प्रसार पर लगाम लगाने में संघर्ष कर रहा है। नई मौतें और मामले शुक्रवार को सामने आए। इससे अप्रैल के अंत से देश में तेजी से फैले बुखार से अब तक जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है, जबकि कुल मरीजों का आंकड़ा 5,24,440 पर पहुंच गया है। उत्तर कोरियाई प्रशासन ने बताया कि लगभग 2,43,630 लोग ठीक हो चुके हैं और 2,80,810 संक्रमित पृथकवास में हैं। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने शनिवार को सत्तारूढ़ पार्टी की पोलित ब्यूरो की बैठक के दौरान प्रकोप को ऐतिहासिक रूप से सबसे बड़ी उथल-पुथल के रूप में वर्णित किया। उन्होंने अधिकारियों को कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के चीन के उपायों से सीख लेने का निर्देश दिया। साथ ही लोगों से महामारी से लड़ने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

श्रीलंका में वीजा जारी करने पर कोई रोक नहीं: भारतीय उच्चायोग

कोलंबो। श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को इस बात से साफ तौर पर इनकार किया कि उसने देश में वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है। उच्चायोग ने कहा कि वीजा प्रकोष्ठ के कर्मचारियों के कार्यालय न आने के कारण संचालनात्मक दिक्कतों से यह बाधा पैदा हुई थी। इनमें से ज्यादातर कर्मचारी श्रीलंकाई नागरिक हैं। उच्चायोग ने कहा कि वह जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने की कोशिश कर रहा है। भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, 'उच्चायोग स्पष्ट रूप से इससे इनकार करता है कि उसने या भारतीय महावाणिज्य दूतावासों या श्रीलंका में भारत के सहायक उच्चायोग ने वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है। पिछले कुछ दिनों में हमारे वीजा प्रकोष्ठ कर्मियों के कार्यालय न आने के कारण संचालनात्मक दिक्कतें हुईं। इनमें से ज्यादातर कर्मी श्रीलंकाई नागरिक हैं।' उसने कहा, 'हम जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने का प्रयास कर रहे हैं। हम भारत में श्रीलंकाई नागरिकों की यात्रा सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।श्रीलंका में भारतीयों की तरह ही भारत में श्रीलंकाई नागरिकों का स्वागत है।' गौरतलब है कि श्रीलंका 1948 में ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद अब तक के सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है। इसके विरोध में लोग सड़कों पर आ गए थे और विरोध प्रदर्शन करने लगे थे। कुछ दिन पहले ही महिंदा राजपक्षे को देश के बिगड़ते आर्थिक हालात के मद्देनजर हुई हिंसक झड़पों के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद, देश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को स्थिरता प्रदान करने के लिए बृहस्पतिवार को श्रीलंका में विपक्ष के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को देश के 26वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गयी।

अमेरिकी व रूसी रक्षा मंत्रियों ने यूक्रेन पर हमले के बाद पहली बार बातचीत की

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोयगु ने यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार शुक्रवार को फोन पर बातचीत की। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि इस बातचीत के बाद भी मॉस्को के रुख में बदलाव आने का कोई संकेत नहीं मिला है। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने एक बयान में कहा कि अपने रूसी समकक्ष के साथ बातचीत में ऑस्टिन ने यूक्रेन में तत्काल संघर्ष विराम करने का आग्रह किया और बातचीत के माध्यम खुले रखने पर जोर दिया। रक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि घंटे भर चली बातचीत के दौरान 'गंभीर मुद्दों' का कोई हल नहीं निकला या रूस जो कर रहा है या कह रहा है उसमें कोई बदलाव नहीं आया है।

वाशिंगटन में यूएस-आसियान विशेष शिखर सम्मेलन में आसियान के नेताओं को संबोधित करतीं अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस।

यूएई के नए राष्ट्रपति चुने गए मोहम्मद बिन जायद, सुप्रीम काउंसिल ने सुनाया फैसला

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शनिवार को शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान को राष्ट्रपतिनियुक्त किया गया। यूएई में शासकों ने घोषणा की कि उन्होंने शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान को राष्ट्रपति के रूप में नियुक्त किया है। सरकारी समाचार एजेंसी ह्यडब्ल्यूएएमह्ल ने कहा कि देश के सात शेखों की अबू धाबी के अल मुशरीफ पैलेस में हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि यूएई के राष्ट्रपति एवं अबू धाबी के शासक शेख खलीफा बिन जायद अल नाह्यान का शुक्रवार को निधन हो गया था। सत्ता परिवर्तन केवल तीसरी बार हुआ है, जब सात शेखों ने एक स्वतंत्र राष्ट्र बनने के बाद से एक नये राष्ट्रपति का चयन किया है। शेख खलीफा ने अपने पिता मरहूम शेख जायद बिन सुल्तान अल नाह्यान की जगह ली थी शेख जायद बिन सुल्तान अल नाह्यान 1971 में अमीरात के अस्तित्व में आने के बाद से लेकर दो नवंबर 2004 को अपने निधन तक यूएई के पहले राष्ट्रपति रहे। दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने ट्विटर पर कहा, हम उन्हें बधाई देते हैं और हम और हमारे लोग उनके प्रति निष्ठा रखने का संकल्प लेते हैं।

16 मई को धरती के बेहद करीब से गुजरेगा विशाल एस्टेरॉइड, नासा ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)

स्पेस वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि एक बहुत ही बड़ा एस्टेरॉइड यानी छुद्रग्रह धरती की ओर बढ़ रहा है। यह एस्टेरॉइड आकार में काफी बड़ा है और अगर इसकी धरती से टक्कर हो जाए, तो यह भारी तबाही मचा सकता है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इस एस्टेरॉइड पर लगातार नजर रखे हुए है। नासा का कहना है कि एस्टेरॉइड 3945 यानी ए 200 टीजेड-3 16 मई को धरती के बेहद करीब पहुंच सकता है।

यह एस्टेराइड 16 मई की रात को धरती के काफी करीब आ सकता है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के अनुसार यह एस्टेरॉइड 1608 फीट चौड़ा है और यह आकार में न्यूयॉर्क के एम्पायर स्टेट की बिल्डिंग के बराबर है। यह एस्टेरॉइड एफिल टॉवर और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से भी काफी बड़ा है। लिहाजा अगर यह धरती की सतह से टकराता है तो इससे होने वाली तबाही का अंदाजा लगाया जा सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एस्टेरॉइड 16 मई को सुबह तकरीबन 2.48 बजे धरती के बेहद करीब होगा।

अगर इस एस्टेरॉइड की दूरी की बात करें तो यह फिलहाल धरती से काफी दूर है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के अनुसार यह एस्टेरॉइड धरती से लगभग 25 लाख मील की दूरी से गुजरेगा। यूं तो यह दूरी आपको सुनने में काफी अजीब

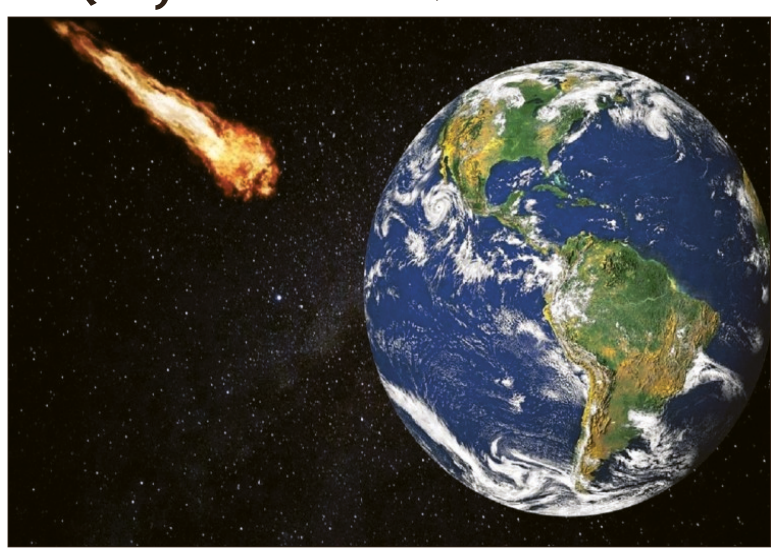

लग रही होगी, लेकिन वास्तव में अंतरिक्ष के लिहाज से यह दूरी बहुत अधिक नहीं है क्योंकि अंतरिक्ष में एस्टेरॉइड की रफ्तार काफी तेजी होती है। यही वजह है कि नासा इस एस्टेरॉइड को काफी गंभीरता से ले रहा है। यह पहली बार नहीं है जब धरती के करीब कोई एस्टेरॉइड बढ़ रहा है। इससे पहले मई 2020 में भी एक एस्टेरॉइड धरती के बेहद करीब से गुजरा था। यह धरती से तकरीबन 1।7 मिलियन दूरी से गुजरा था। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के अनुसार यह एस्टेरॉइड हर दो साल के बाद सूर्य की परिक्रमा के दौरान धरती के करीब से गुजरता है। इस हिसाब से यह एस्टेराइड अब सन 2024 में एक बार फिर धरती के करीब से गुजरेगा। उल्लेखनीय है कि एस्टेरॉइड सूरज की परिक्रमा लगाते रहते हैं। वैज्ञानिकों की चेतावनी के अनुसार कुछ विशाल एस्टेरॉइड धरती के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। अगर कोई एस्टेरॉइड धरती से 4।65 मिलियन दूरी पर आता है तो इसे वैज्ञानिक गंभीरता से लेते हैं।

सियालकोट रैली से पहले इमरान समर्थकों पर पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले, पीटीआई कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान की पुलिस ने सियालकोट में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ(पीटीआई) की रैली स्थल को खाली कराने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार शनिवार सुबह सियालकोट में इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार को हटाने के खिलाफ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने प्रदर्शन किया। जिसके बाद पुलिस की तरफ से पार्टी कार्यकर्ताओं पर आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया गया। जियो टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक पीटीआई ने अनुमति के बिना ईसाई समुदाय के स्वामित्व वाले सीटीआई मैदान पर रैली आयोजित की थी जिसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने इस जगह को खाली कराने की कार्रवाई शुरू की है।

डॉन अखबार ने पीटीआई के ट्वीट का हवाला देते हुए कहा कि दिन में होने वाली रैली से पहले नेता उस्मान डार सहित पार्टी के कई सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया है। टेलीविजन फुटेज का हवाला देते हुए, पाकिस्तानी अखबार ने बताया कि पुलिस कर्मियों को रैली के लिए बनाए गए ढांचे को तोड़ते हुए देखा गया, जबकि फुटेज में आंसू गैस के गोले दागे जाने की बात भी सामने आई है। वहीं पूरे मामले पर रैली स्थल पर मौजूद जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) हसन इकबाल का कहना है कि स्थानीय ईसाई समुदाय ने जमीन पर जनसभा आयोजित किए जाने को लेकर आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह उनकी संपत्ति है।

इकबाल ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं कि हम अभी उस जमीन पर खड़े हैं जो ईसाई समुदाय से संबंधित है। उन्होंने उच्च न्यायालय में एक रिट (याचिका) दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि इस आधार पर कोई राजनीतिक रैली नहीं की जाए। अदालत ने तब सियालकोट के उपायुक्त को दोनों पक्षों को सुनने और मामले का फैसला करने का निर्देश दिया था।

यूक्रेन में मानवाधिकार की बिगड़ती स्थिति पर यूएनएचआरसी में मतदान से दूर रहा भारत

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा (एजेंसी)

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में रूसी आक्रमण के कारण यूक्रेन में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति को लेकर लाए गए एक प्रस्ताव पर हुए मतदान में हिस्सा नहीं लिया। इस प्रस्ताव में यूएनएचआरसी ने दोनों देशों से सैन्य टकराव को तत्काल समाप्त करने की मांग दोहराई है। जिनेवा स्थित मानवाधिकार परिषद का 34वां विशेष सत्र बृहस्पतिवार को इस प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने के साथ संपन्न हुआ। 33 देशों ने जहां प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, वहीं चीन और इरिट्रिया ने इसका विरोध किया। वहीं, भारत, आर्मेनिया, बोलीविया, कैमरून, क्यूबा, कजाकिस्तान, नामीबिया, पाकिस्तान, सेनेगल, सूडान, उज्बेकिस्तान और वेनेजुएला सहित 12 देश मतदान से दूर रहे। जनवरी से लेकर अब तक भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में यूक्रेन में रूसी अभियान की निंदा से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर मतदान में हिस्सा लेने से बचता आया है। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों में भारत के स्थायी प्रतिनिधि इंद्र मणि पांडे ने सत्र में कहा कि यूक्रेन संघर्ष पर भारत की स्थिति स्पष्ट एवं स्थायी रही है। पांडे के मुताबिक, 'हम यूक्रेन में सामने आ रहे घटनाक्रमों को लेकर बेहद चिंतित हैं। हमने दोनों देशों से हिंसा और दुश्मनी को तत्काल समाप्त करने का लगातार आह्वान किया है।'

भी यह नहीं कहा जा सकता कि रूस के साथ युद्ध कब तक चलेगा : जेलिंस्की

कीव (एजेंसी)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के लोग रूसियों को देश से बाहर निकालने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं, लेकिन अभी से यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि युद्ध कब तक चलेगा। उन्होंने कहा कि वह उन सभी के आभारी हैं जो रूस पर प्रतिबंधों को मजबूत करने और यूक्रेन को दी जा रही सैन्य एवं वित्तीय सहायता बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा यह रूसी आक्रमण के सामने स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एकमात्र उपाय है। पश्चिमी देशों के लिए यह केवल एक खर्च या खर्च के हिसाब के बारे में नहीं है, यह भविष्य के बारे में है। जेलेंस्की ने कहा यूक्रेन ने शुक्रवार को युद्ध के दौरान 200 वें रूसी विमान को मार गिराया और उन्होंने टैंकों, बख्तरबंद वाहनों, हेलीकॉप्टरों और ड्रोन के लिहाज से रूस को

भारी नुकसान पहुंचाया है।

जेलेंस्की ने कहा कि मारियुपोल इस्पात संयंत्र में फंसे घायल लड़ाकों को निकालने की कोशिश के लिए यूक्रेन बहुत मुश्किल बातचीत में जुटा हुआ है। उन्होंने कहा हम बड़ी संख्या में लोगों को निकालने के बारे में बात कर रहे हैं। बेशक, हम सभी अपने हर रक्षक को निकालने के लिए सब कुछ कर रहे हैं। हम पहले ही दुनिया के हर उस शख्स को शामिल कर चुके हैं, जो सबसे प्रभावशाली मध्यस्थ हो सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की सेना ने रूसी सैनिकों के कब्जे से कस्बों और गांवों को फिर से अपने अधिकार में ले लिया है। उन्होंने कहा कि बिजली, पेयजल की आपूर्ति, टेलीफोन संचार और सामाजिक सेवाओं को बहाल करने के लिए काम जारी है।

ब्रिटेन के निशाने पर व्लादिमीर पुतिन का परिवार

- बेटियों के बाद गर्लफ्रेंड और पूर्व पत्नी पर लगाया प्रतिबंध

लंदन (एजेंसी)

ब्रिटेन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के परिवार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ब्रिटेन चाहता है कि इन प्रतिबंधों के दबाव में पुतिन यूक्रेन में सैन्य अभियान को रोक सकते हैं। इसी कारण बोरिस जॉनसन सरकार ने पुतिन की कथित गर्लफ्रेंड और उनकी पूर्व पत्नी पर प्रतिबंध का ऐलान किया है। उनकी दोनों बेटियों पर पहले से ही प्रतिबंध लागू हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि पुतिन की गर्लफ्रेंड और उनकी पूर्व पत्नी की कोई संपत्ति ब्रिटेन में मौजूद है कि नहीं। ऐसे में इन प्रतिबंधों का असर पुतिन के ऊपर पड़ने की संभावना भी कम ही मालूम पड़ती है। ब्रिटिश सरकार के अनुसार, पुतिन की करीबी अलीना काबेवा और उनकी पूर्व पत्नी ल्यूडमिला ओचेरेत्नाया को प्रतिबंधों की सूची में शामिल किया गया है। अलीना स्वर्ण पदक जीतने वाली ओलंपिक जिमनास्ट और रूसी राजनेता हैं। दावा किया जाता है कि उन्होंने पुतिन के दो बेटों को जन्म दिया है। हालांकि, क्रेमलिन ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। वहीं, पूर्व पत्नी ल्यूडमिला ओचेरेत्नाया से पुतिन की दो बेटियां हैं। पुतिन और ल्यूडमिला ओचेरेत्नाया आपसी सहमति के आधार पर 2014 में अलग हो गए थे।

ब्रिटिश विदेश कार्यालय ने कहा कि शुक्रवार को किए गए ऐलान से पुतिन के करीबी और आंतरिक सर्कल के सदस्य प्रभावित होंगे। बयान में यह भी कहा गया कि ब्रिटिश सरकार यूक्रेन पर आक्रमण के लिए मास्को को दंडित करने के नए तरीकों की तलाश कर रही है। विदेश कार्यालय के अनुसार, पुतिन की आधिकारिक संपत्ति मामूली है। हालांकि उनकी लाइफस्टाइल को परिवार, दोस्तों और एलीट क्लास से फंडिंग मिलती है। ब्रिटिश विदेश मंत्री लिज ट्रस ने कहा कि हम पुतिन की विलासितापूर्ण जीवन शैली को बढ़ावा देने वाले छायादार नेटवर्क को उजागर कर रहे हैं और उन्हें निशाना बना रहे हैं। इससे पुतिन के ऊपर दबाव बढ़ेगा। हम उन सभी पर प्रतिबंध जारी रखेंगे जो यूक्रेन की जीत तक पुतिन की आक्रामकता को सहायता और बढ़ावा दे रहे हैं। बताया जाता है कि पुतिन की गर्लफ्रेंड अलीना काबेवा नेशनल मीडिया ग्रुप के बोर्ड के अध्यक्ष बनने वाली हैं, जो रूस की सबसे बड़ी निजी मीडिया कंपनी है।

श्रीलंका: पूर्व पीएम महिंदा राजपक्षे की गिरफ्तारी की मांग उठी, प्रदर्शनकारियों पर हमले का आरोप

कोलंबो (एजेंसी)

आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहे श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे अब चारों और से घिरते नजर आ रहे हैं। एक तरफ जहां कोर्ट ने उनके देश छोड़ने पर रोक लगा दी है। वहीं दूसरी तरफ एक वकील ने अदालत से मांग की है कि वह सीआईडी को निर्देश दे कि पूर्व प्रधानमंत्री सहित सात लोगों को गिरफ्तार करे। अधिवक्ता ने आपराधिक धमकी देने और शांतिपूर्ण विरोध पर हमले के लिए उकसाने की साजिश का आरोप लगाया है। खबरों के अनुसार, कोलंबो मजिस्ट्रेट की अदालत में एक वकील द्वारा व्यक्तिगत शिकायत दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए सीआईडी ??को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। ज्ञात हो कि हिंसक झड़पों के दौरान गाले में विरोध स्थल पर 100 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हो गए थे।

इसके बाद देश में सार्वजनिक संपत्ति को लूटने या व्यक्तिगत नुकसान पहुंचाने वाले सभी लोगों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया था। वहीं हाल ही में श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले महिंदा राजपक्षे को एक स्थानीय अदालत ने देश छोड़ने पर रोक लगा दी है। सूत्रों के हवाले खबर है कि महिंदा राजपक्षे के बेटे और पूर्व मंत्री नमल राजपक्षे, जॉन्सटन फर्नांडो, पवित्रा वन्नियाराची, सीबी रथनायके, सनथ निशांत और संजीव एडिरिमाने सहित अन्य पर भी यात्रा प्रतिबंध लगाया गया है। महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद उनके खिलाफ देश में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है, जिसके चलते महिंदा राजपक्षे और उनके परिवार के कुछ सदस्यों को त्रिंकोमाली नेवल बेस में रखा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हमने बाबरी मस्जिद को खोया है, दूसरी मस्जिद नहीं खोएंगे: ओवैसी ने हुकूमत को सरेआम दी चेतावनी

नयी दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में चेतावानी दी है। उन्होंने कहा कि हमने एक बाबरी मस्जिद को खोया है दूसरी मस्जिद को हरगिज नहीं खोएंगे। दरअसल, ज्ञानवापी मस्जिद परिषद में वीडियोग्राफी सर्वे का काम चल रहा है। शनिवार को तहखाने के चारों कमरों को सर्वे संपन्न हुआ है।

नहीं खोएंगे हम दूसरी मस्जिद

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि बाबरी मस्जिद पर कोर्ट का फैसला आ गया और अब ज्ञानवापी का मसला शुरू हो गया... हुकूमत को ये बात बता रहा हूं कि हमने एक बाबरी मस्जिद को खोया है दूसरी मस्जिद को हरगिज नहीं खोएंगे। उन्होंने कहा कि इस देश में कभी कोई मुस्लिम वोट बैंक नहीं था और न ही होगा। ओवैसी ने कहा कि वतन-ए-अजीज में मुसलमान हुकूमत को नहीं बदल सकता है। यह धोखा आप लोगों को दिया जा रहा है। हम हमेशा समझते थे कि हमारा वोट बैंक कभी नहीं था। न है और न कभी रहेगा। उन्होंने कहा कि हुकूमत को हम कभी नहीं बदल सकते और अगर बदल सकते तो भारतीय संसद में इतना कम मुस्लिम प्रतिनिधित्व क्यों होता? अगर हम हुकूमत को बदल सकते थे तो बाबरी मस्जिद की जगह... अब ज्ञानवापी मस्जिद का मामला शुरू हो गया।

सांसद नवनीत राणा कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में किया हनुमान चालीसा पाठ

नई दिल्ली । अदालत ने कहा था कि जमानत पर रिहा होने के बाद आवेदक इस तरह के किसी अपराध को अंजाम ना दे और मामले से संबंधित किसी भी विषय पर मीडिया से बात ना करें। पुलिस ने राणा दंपति की जमानत याचिका का विरोध करते हुए अदालत में कहा था कि राणा दंपति की योजना सरकार के खिलाफ एक बड़ी साजिश की थी। पुलिस ने दावा किया था कि राज्य में विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी और उद्धव ठाकरे के राजनीतिक विरोधी यह साबित करना चाहते हैं कि मुख्यमंत्री हिंदुओं के खिलाफ हैं। अदालत ने कहा था कि जमानत पर रिहा होने के बाद आवेदक इस तरह के किसी अपराध को अंजाम ना दे और मामले से संबंधित किसी भी विषय पर मीडिया से बात ना करें। पुलिस ने राणा दंपति की जमानत याचिका का विरोध करते हुए अदालत में कहा था कि राणा दंपति की योजना सरकार के खिलाफ एक बड़ी साजिश की थी। पुलिस ने दावा किया था कि राज्य में विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी और उद्धव ठाकरे के राजनीतिक विरोधी यह साबित करना चाहते हैं कि मुख्यमंत्री हिंदुओं के खिलाफ हैं। जानकारी के अनुसार, राणा दंपति ने पिछले महीने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की घोषणा की थी, जिसे लेकर काफी विवाद हुआ था। शिव सैनिकों के प्रदर्शन के बाद इसी सिलसिले में मुंबई पुलिस ने पति-पत्नी के खिलाफ राजद्रोह तथा अन्य आरोपों के तहत एफआईआर दर्ज कर 23 अप्रैल को उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, बाद में मुंबई की एक विशेष अदालत ने निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके पति एवं विधायक रवि राणा को चार मई को जमानत दे दी थी

जम्मू-कश्मीर में सेना की बड़ी कामयाबी

जम्मू। सेना ने जम्मू-कश्मीर के रफियाबाद और सोपोर के इलाकों में सुरक्षा बलों व वीआईपी को निशाना बनाने की योजना बनाने के आरोप में एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आतंकी की पहचान हंदवाड़ा निवासी रिजवान शफी लोन के रूप में हुई है। सेना के आधिकारिक बयान में कहा गया, ₹एक विशेष इनपुट पर कार्रवाई करते हुए आर्मी ने रफियाबाद पुलिस के साथ रोहामा रफियाबाद में संयुक्त अभियान शुरू किया और एक आतंकवादी को पकड़ा, जिसके कब्जे से गोला-बारूद के साथ एक पिस्तौल बरामद किया।₹ बयान के मुताबिक, ₹यह उल्लेख करना उचित है कि पकड़ा गया आतंकी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम कर रहा था। वह रफियाबाद और सोपोर इलाके में सुरक्षा बलों व वीआईपी पर हमला करने और मारने की योजना बना रहा था। लोन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दूसरी तरफ, जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सेना के एक जवान ने शुक्रवार शाम खुदकुशी कर ली। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक जवान की पहचान हरियाणा निवासी रवि कुमार (25) के रूप में हुई है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, जवान शुक्रवार शाम बनिहाल में नील शीर्ष चौकी पर गार्ड ड्यूटी पर था, जब उसने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। अधिकारियों ने कहा कि कुमार की ओर से यह कदम उठाने के पीछे की वजहों का अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि, पुलिस ने पूछताछ की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चिकित्सीय-कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद जवान का पार्थिव शरीर उसकी इकाई में भेज दिया गया है, जहां से इसे अंतिम संस्कार के लिए जल्द परिजनों को सौंपा जाएगा।

राजस्थान के पश्चिमी इलाकों में भीषण गर्मी और लू से लॉकडाउन जैसी स्थिति

बाड़मेर/जैसलमेर/जयपुर। राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में भीषण गर्मी के चलते आम जनजीवन प्रभावित है। पश्चिमी इलाकों में भीषण गर्मी और लू के प्रकोप के चलते शुक्रवार दिन में सड़कें सूनी रहीं और लोग अपने घरों के अंदर ही बंद रहे जिससे लॉक डाउन जैसे हालात नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को गंगानगर 48.1 डिग्री सेल्सियस के साथ राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा। बाड़मेर में अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट के साथ 47.8 डिग्री सेल्सियस, बारां एवं करौली में 47.8-47.8, पिलानी में 47.7 डिग्री, धौलपुर एवं फलोदी में 47.6-47.6 डिग्री, बीकानेर में 47.4 डिग्री, कोटा में 47.2 डिग्री, नागौर में 46.9 डिग्री, और अन्य प्रमुख स्थानों पर 46.3 डिग्री सेल्सियस से43.8 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार राज्य के अधिकतर प्रमुख शहरों में बृहस्पतिवार को रात का तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस से लेकर 27 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि बाड़मेर में बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 48.2 डिग्री सेल्सियस जबकि जैसलमेर में 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। ग्रामीण इलाकों में लू के थपेड़ों के साथ धूलभरी आंधियों ने आम जनजीवन को बेहाल कर रखा है। गर्मी से पशु पक्षियों के हाल इससे भी बुरे हैं। बाड़मेर के कारोबारी सुनील कुमार ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि गर्मी असहनीय है।

कश्मीरी पंडित की हत्या के संबंध में अब्दुल्ला आवास पर हुई गुपकर गठबंधन की बैठक

तारिगामी बोले- लाठियों के इस्तेमाल पर लगे रोक

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में तहसील कार्यालय के भीतर आतंकवादियों द्वारा की गई कश्मीरी पंडित की हत्या का सुरक्षाबलों ने बदला ले लिया है। सुरक्षाबलों ने कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट की हत्या में शामिल दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को 24 घंटे के भीतर ही ढेर कर दिया। इसी बीच खबर है कि कश्मीरी पंडित की हत्या के बाद गुपकर गठबंधन ने पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के आवास पर एक बैठक की।

फारूक अब्दुल्ला के आवास पर हुई बैठक में पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और गुपकर गठबंधन के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ तारिगामी शामिल हुए। इस बैठक में टारगेट किलिंग, परिसीमन आयोग की अंतिम रिपोर्ट, आगामी विधानसभा चुनाव इत्यादि मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। पिछले महीने जानकारी सामने आई थी कि फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि गुपकर गठबंधन का एकजुट होना और एकसाथ आना जरूरी है ताकि भाजपा और उसकी 'बी-टीम, सी-टीम' को वोट के विभाजन की ओर ले जाया जा सके।

बैठक के बाद गुपकर गठबंधन के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ पुलिस द्वारा की गई लाठीचार्ज पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि गुपकार गठबंधन ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात करने का फैसला किया है। हम उनसे विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडित की हत्या के खिलाफ विरोध कर रहे लोगों पर चलाई गई लाठियां अफसोसजनक है। वो अपनी फरियाद लेकर मातम करने के लिए निकले थे। यह अफसोसजनक है।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में बार-बार लाठियों के इस्तेमाल पर रोक लगनी

चाहिए और आवाम पर भरोसा करना चाहिए। यहां पर पर्यटक आएंगे और कश्मीरियों ने उनका हमेशा स्वागत किया है। हम राजनीति में अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन भाईचारे की रिवायत में हर कश्मीरी अपनी भूमिका अदा करेगा लेकिन सरकार को भी अपने गिरेवान में झांकना होगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति गंभीर चिंता का विषय, चिदंबरम का मोदी सरकार पर निशाना

उदयपुर (राजस्थान)। (एजेंसी)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति गंभीर चिंता का विषय है और पिछले आठ वर्षों में धीमी आर्थिक विकास दर केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार की पहचान रही है। पूर्व वित्त मंत्री ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि वैश्विक और स्थानीय घटनाक्रमों के मद्देनजर यह जरूरी हो गया है कि उदारीकरण के 30 साल के बाद अब आर्थिक नीतियों को फिर से तय करने पर विचार किया जाए। उन्होंने हालांकि कहा कि उनकी इस मांग का यह मतलब यह नहीं है कि कांग्रेस उदारीकरण से पीछे हट रही है, बल्कि उदारीकरण के बाद पार्टी आगे की ओर कदम बढ़ा रही है।

चिदंबरम ने कहा, 'भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। पिछले आठ वर्षों में धीमी आर्थिक विकास दर केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार की पहचान रही है।' उन्होंने दावा किया, 'महामारी के बाद अर्थव्यवस्था की स्थिति में सुधार बहुत साधारण और अवरोध से भरा रहा है। पिछले पांच महीनों के दौरान समय समय पर 2022-23 के लिए विकास दर का अनुमान कम किया जाता रहा है।' उन्होंने कहा कि महंगाई अस्वीकार्य स्तर पर पहुंच गई है और आगे भी इसके बढ़ते रहने की आशंका है। उनके मुताबिक, रोजगार की स्थिति कभी भी इतनी खराब नहीं रही। चिदंबरम ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के बकाये का उल्लेख करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि केंद्र और राज्यों के बीच के राजकोषीय संबंधों की समग्र समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा, 'उदारीकरण के 30 वर्षों के बाद यह महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक और स्थानीय घटनाक्रमों को देखते हुए आर्थिक नीतियों को फिर से तय करने के बारे में विचार करने की जरूरत है।'

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा, 'भारत सरकार कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी पर महंगाई का ठीकरा नहीं फोड़ सकती। महंगाई में बढ़ोतरी यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के पहले से हो रही है।' गेहूं के निर्यात पर रोक के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि केंद्र सरकार पर्याप्त गेहूं खरीदने में विफल रही है। यह एक किसान विरोधी कदम है। मुझे हैरानी नहीं है क्योंकि यह सरकार कभी भी किसान हितैषी नहीं रही है।

नेपाल में चीन के बनाए एयरपोर्ट पर नहीं उतरेंगे पीएम मोदी, चीन को बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन को बहुत बड़ा झटका देने वाले है। बताते चले कि बुद्ध जयंती पर पीएम मोदी नेपाल के दौरे पर जा रहे है। पीएम मोदी पहले नेपाल में बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी जाएंगे। खबरों के मुताबिक पीएम मोदी भैरवा में चीन के बनाए नेपाल के दूसरे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर नहीं उतरेंगे बल्कि उनका हेलिकॉप्टर सीधे लुंबिनी जाएगा जो भैरवा एयरपोर्ट से 18 किमी की दूरी पर है। इसमें खास बात यह है कि पीएम मोदी जब लुंबिनी जाएंगे, उसी दौरान पाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देऊबा इसी एयरपोर्ट का उद्घाटन कर रहे होंगे।

चीन ने भारत की सीमा से 6 किमी की दूरी पर भैरवा में अंतरराष?ट्रीय एयरपोर्ट तैयार किया है।10 लाख यात्रियों को संभालने की क्षमता रखने वाले इस एयरपोर्ट की अभी ठीक तरीके से मार्केटिंग नहीं हो पाई है जिसके कारण यह एयरपोर्ट एक भूतिया तरीके से बनकर रह गया है। पीएम मोदी लुंबिनी में लैंड करेंगे जिसके लिए एक हेलिपैड तैयार किया गया है। वहां वह अंतरराष्ट्रीय मेडिटेशन सेंटर का उद्घाटन करेंगे और बौद्ध विहार की आधारशिला भी रखेंगे।

पीएम मोदी के चीन द्वारा तैयार किए गए एयरपोर्ट पर नहीं उतरने से नेपाल में विवाद खड़ा हो गया है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक नागर विमानन मंत्रालय से जुड़े एक पूर्व अधिकारी संजीव गौतम ने कहा कि यह एक राजनायिक असफलता है। उन्होंने कहा कि जब दो अलग-अलग कार्यक्रम एक ही समय पर और एक ही जगह पर होंगे तो एक कार्यक्रम दब जाएगा।' गौतम ने कहा, 'यह नेपाली पक्ष की कमजोरी है। नेपाल की कूटनीति चाहे वह अर्थव्यवस्था हो या विमानन क्षेत्र हमेशा से ही खराब रही है। हम एक बार फिर से फेल साबित हुए हैं।

एक महीने की लू ने बिगाड़ा खेल कैसे गेहूं एक्सपोर्ट का मोदी सरकार का प्लान हुआ फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत ने वैश्विक खाद्य कमी को दूर करने के लिए दुनिया भर में शिपमेंट भेजने की अपनी नीति को अचानक उलटते हुए गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम भीषण गर्मी के कारण विशेष रूप से अनाज उत्पादन में अनुमानित बड़ी गिरावट और घरेलू खाद्य कीमतों में तेज वृद्धि के कारण आया है। भारत के प्रतिबंध से वैश्विक खाद्य कीमतों में तेजी आने की संभावना है, जो यूक्रेन संकट के बाद गेहूं की आपूर्ति में रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ गई है। भारत बड़ी मात्रा में निर्यात की उम्मीद कर रहा था क्योंकि सरकार ने फरवरी में 111 मिलियन टन गेहूं के रिकॉर्ड उत्पादन का अनुमान लगाया था। मार्च के मध्य से एक महीने तक चलने वाली हीटवेव ने इसे सिकोड़ दिया। सरकार को उत्पादन अनुमान में कम से कम 5.7% यानी 105 मिलियन टन की कटौती करनी पड़ी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार रात एक अधिसूचना जारी कर ताजा निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत दुनिया को खिलाने के लिए तैयार है। गेहूं की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। अप्रैल में 6.95% की वृद्धि हुई है, जो कम उत्पादन और निजी व्यापारियों द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2015 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक पर खरीद के कारण एक दशक का उच्च स्तर है। कम उत्पादन ने सरकार पर सब्सिडी वाले अनाज के लिए अनाज की अपनी आवश्यकता को पूरा करने का दबाव डाला है। उत्पादन में अप्रत्याशित गिरावट ने सरकार को गेहूं की खरीद के अपने लक्ष्य को 44 मिलियन टन से घटाकर केवल 19.5 मिलियन टन करने के लिए मजबूर कर दिया है। अभी एक सप्ताह पहले खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने कहा था कि देश में स्टॉक है और उन्हें गेहूं के निर्यात पर अंकुश लगाने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। इस साल भारत का अनुमानित गेहूं उत्पादन असमंजस की स्थिति में बना हुआ है, क्योंकि मार्च के मध्य में भीषण गर्मी की वजह से पैदावार में कटौती हुई थी। देश यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक कमी को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में निर्यात करने की उम्मीद कर रहा था। भारत की उपभोक्ता मुद्रास्फीति अप्रैल, 2022 में आठ साल के उच्च स्तर 7.79% पर पहुंच गई। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य मुद्रास्फीति 8.38% बढ़ी, जो इस वित्त वर्ष में अब तक का सबसे अधिक है।

संजय राउत ने की 'एक देश, एक भाषा' की वकालत, कहा- चुनौती स्वीकार करें अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में हिंदी को लेकर लगातार राजनीतिक विवाद होता रहता है। हिंदी राष्ट्रभाषा होनी चाहिए या नहीं, यह सबसे बड़ा सवाल है। इन सब के बीच शिवसेना नेता संजय राउत ने एक देश एक भाषा की वकालत कर दी है। संजय राउत ने कहा है कि हिंदी पूरे भारत में बोली जाती है और उसकी स्वीकार्यता भी है। इसके साथ ही शिवसेना नेता ने अमित शाह को लेकर भी बड़ा बयान दे दिया। संजय राउत ने कहा कि अमित शाह को यह चुनौती स्वीकार करनी चाहिए कि भारत के सभी राज्यों में भाषा एक हो। आपको बता दें कि संजय राउत का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब लगभग 1 महीने पहले ही अमित शाह ने कहा था कि हिंदी को अंग्रेजी के विकल्प के तौर पर स्वीकार किया जाना चाहिए, ना कि स्थानीय भाषाओं के विकल्प के तौर पर। हालांकि, अमित शाह के बयान को लेकर राजनीतिक बवाल भी शुरू हो गया था। दक्षिण के राज्यों में इसका खूब विरोध हुआ था।

दरअसल, संजय राउत तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री के पोनमुडी के हालिया बयान पर जवाब दे रहे थे। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा था कि हिंदी बोलने वाले हमारे यहां पानी पूरी बेचते हैं। संजय राउत ने कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा हिंदी का सम्मान किया है। मुझे इस सदन में जब भी बोलने का मौका मिलता है, मैं हिंदी में ही बोलता हूं क्योंकि देश को सुनना चाहिए कि मैं क्या कहता हूं और यह राष्ट्र की भाषा है। उन्होंने कहा कि हिंदी इकलौती है, जिसकी स्वीकार्यता है और पूरे देश में इसे बोला जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी फिल्म उद्योग देश-दुनिया में गहरा प्रभाव रखता है। इसलिए किसी भी का अपमान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यह चुनौती स्वीकार करनी चाहिए कि सभी राज्यों में एक हो। एक देश, एक संविधान, एक निशान और एक होनी चाहिए।'

शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की रैली 'ऐतिहासिक और क्रांतिकारी' होगी। राउत के मुताबिक, पूरा देश यह जानने के लिए 'उत्साहित' है कि ठाकरे जनसभा के दौरान क्या कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग महाराष्ट्र में माहौल बिगाड़ना चाहते हैं, महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार को बदनाम करनाा चाहते हैं और राज्य सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे इन सभी को करारा जवाब देंगे।' एक सवाल के जवाब में राउत ने कहा कि शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे इकलौते 'हिंदू हृदय सम्राट थे, हैं और रहेंगे।' राजस्थान के उदयपुर में कांग्रेस पार्टी के चिंतन शिविर से जुड़े एक सवाल के जवाब में शिवसेना नेता ने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी को खुद अपने आप को उठाना चाहिए, केवल तभी देश किसी बदलाव की उम्मीद कर सकता है।

पानी के अंदर भी होगा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक नौसेना को मिलेंगे 2 घातक युद्धपोत

सूरत (एजेंसी)

समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होने जा रहा है। भारतीय नौसेना के दो अग्रिम मोर्चे के युद्धपोतों का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 17 मई को उद्घाटन करेंगे। ये युद्धपोत 'सूरत' और 'उदयगिरि' हैं। सूरत 15बी डेस्ट्रॉयर प्रोजेक्ट का और उदयगिरि 17ए फ्रिगेट प्रोजेक्ट का युद्धपोत है। यह पी17 फ्रिगेट (शिवालिक श्रेणी) का उन्नत संस्करण है, जिसमें बेहतर हथियार और सेंसर तथा मंच प्रबंधन प्रणाली लगी हैं। इनका उद्घाटन मुंबई के मझगांव डॉक्स लिमिटेड पर किया जाएगा। सूरत प्रोजेक्ट 15बी डेस्ट्रॉयर का चौथा जहाज है जो पी15ओ डेस्ट्रॉयर्स (कोलकाता क्लास) का उन्नत संस्करण है और इसे गुजरात की व्यावसायिक राजधानी का नाम दिया गया है। ये युद्धपोत रडार को चकमा देने की प्रणाली से युक्त है। इससे पानी के अंदर भी पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने में मदद मिलेगी। उदयगिरि अपने प्रोजेक्ट का तीसरा जहाज है और इसका नाम आंध्र प्रदेश में पर्वतीय श्रृंखला के नाम पर दिया गया है। समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होने जा रहा है। भारतीय नौसेना के दो अग्रिम मोर्चे के युद्धपोतों का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 17 मई को उद्घाटन करेंगे। ये युद्धपोत 'सूरत' और 'उदयगिरि' हैं। सूरत 15बी डेस्ट्रॉयर प्रोजेक्ट का और उदयगिरि 17ए फ्रिगेट प्रोजेक्ट का युद्धपोत है। यह पी17 फ्रिगेट (शिवालिक श्रेणी) का उन्नत संस्करण है, जिसमें बेहतर हथियार और सेंसर तथा मंच प्रबंधन प्रणाली लगी हैं। इनका उद्घाटन मुंबई के मझगांव डॉक्स लिमिटेड पर किया जाएगा। सूरत प्रोजेक्ट 15बी डेस्ट्रॉयर का चौथा जहाज है जो पी15ओ डेस्ट्रॉयर्स (कोलकाता क्लास) का उन्नत संस्करण है और इसे गुजरात की व्यावसायिक राजधानी का नाम दिया गया है। ये युद्धपोत रडार को चकमा देने की प्रणाली से युक्त है। इससे पानी के अंदर भी पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने में मदद मिलेगी। उदयगिरि अपने प्रोजेक्ट का तीसरा जहाज है और इसका नाम आंध्र प्रदेश में पर्वतीय श्रृंखला के नाम पर दिया गया है।

हार्दिक का चिंतन बढ़ाएगा कांग्रेस की टेंशन! कहा- राहुल से मिलकर ही लूंगा अंतिम फैसला

नई दिल्ली । एक के बाद एक चुनावी हार से सिमटती जा रही कांग्रेस पार्टी राजस्थान में तीन दिन का चिंतन शिविर कर रही है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत कांग्रेस के लगभग सभी बड़े नेता इस चिंतन शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। तीन दिन के चिंतन शिविर के जरिए जहां एक तरफ कांग्रेस सभी रूठों को मनाने और आपसी मतभेद खत्म करने की कोशिश कर रही है, वहीं कुछ नेता अब भी पार्टी से नाराज हैं। गुजरात के युवा कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल बुलावे के बावजूद चिंतन शिविर में नहीं पहुंचे हैं। उनके अलावा जी-23 में शामिल कपिल सिब्बल भी चिंतन शिविर में नहीं आए हैं। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस ने 430 प्रतिनिधियों को चिंतन शिविर में आने का न्यौता दिया था जिसमें हार्दिक पटेल का भी नाम शामिल था लेकिन हार्दिक पटेल चिंतन शिविर में नहीं पहुंचे हैं। हालांकि पार्टी में लंबे समय से उपेक्षित चल रहे जनार्दन द्विवेदी जरूर पार्टी के बुलावे पर चिंतन शिविर में आए हैं।

जानकारी के मुताबिक तीन दिन तक चलने वाले चिंतन शिविर में कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर कोई चर्चा नहीं होगी बल्कि चर्चा का मुद्दा सिर्फ बीजेपी को रोकने और 2024 लोकसभा चुनाव से जुड़ा होगा। गौरतलब है कि पिछले दिनों गुजरात दौरे पर राहुल गांधी से ना मिल पाने को लेकर हार्दिक पटेल ने कहा था कि राहुल को पांच घंटे के भीतर कई नेताओं से मिलना था। उन्होंने ये भी कहा था कि 15 दिन पहले राहुल गांधी ने उन्हें संदेश भेजा था कि वक्त मिलते ही वो उनसे बात करेंगे। हार्दिक पटेल के चिंतन शिविर में हिस्सा ना लेने को लेकर राजनीतिक गलियारों में उनके बीजेपी में शामिल होने की चर्चा शुरू हो गई है। पिछले दिनों गुजरात सरकार ने हार्दिक पटेल के खिलाफ केस वापस लेने का फैसला किया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पानी के अंदर भी होगा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक

नौसेना को मिलेंगे 2 घातक युद्धपोत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होने जा रहा है। भारतीय नौसेना के दो अग्रिम मोर्चे के युद्धपोतों का

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 17 मई को उद्घाटन करेंगे। ये युद्धपोत 'सूरत' और 'उदयगिरि' हैं। सूरत 15बी डेस्ट्रॉयर प्रोजेक्ट का और उदयगिरि 17ए फ्रिगेट प्रोजेक्ट का युद्धपोत है। यह पी17 फ्रिगेट (शिवालिक श्रेणी) का उन्नत संस्करण है, जिसमें बेहतर हथियार और सेंसर तथा मंच प्रबंधन प्रणाली लगी हैं। इनका उद्घाटन मुंबई के मझगांव डॉक्स लिमिटेड पर किया जाएगा। सूरत प्रोजेक्ट 15बी डेस्ट्रॉयर का चौथा जहाज है जो पी15ओ डेस्ट्रॉयर्स (कोलकाता क्लास) का उन्नत संस्करण है और इसे गुजरात की व्यावसायिक राजधानी का नाम दिया गया है। ये युद्धपोत रडार को चकमा देने की प्रणाली से युक्त है। इससे पानी के अंदर भी पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने में मदद मिलेगी। उदयगिरि अपने प्रोजेक्ट का तीसरा जहाज है और इसका नाम आंध्र प्रदेश में पर्वतीय श्रृंखला के नाम पर दिया गया है। समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होने जा रहा है। भारतीय नौसेना के दो अग्रिम मोर्चे के युद्धपोतों का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 17 मई को उद्घाटन करेंगे। ये युद्धपोत 'सूरत' और 'उदयगिरि' हैं। सूरत 15बी डेस्ट्रॉयर प्रोजेक्ट का और उदयगिरि 17ए फ्रिगेट प्रोजेक्ट का युद्धपोत है। यह पी17 फ्रिगेट (शिवालिक श्रेणी) का उन्नत संस्करण है, जिसमें बेहतर हथियार और सेंसर तथा मंच प्रबंधन प्रणाली लगी हैं। इनका उद्घाटन मुंबई के मझगांव डॉक्स लिमिटेड पर किया जाएगा। सूरत प्रोजेक्ट 15बी डेस्ट्रॉयर का चौथा जहाज है जो पी15ओ डेस्ट्रॉयर्स (कोलकाता क्लास) का उन्नत संस्करण है और इसे गुजरात की व्यावसायिक राजधानी का नाम दिया गया है। ये युद्धपोत रडार को चकमा देने की प्रणाली से युक्त है। इससे पानी के अंदर भी पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने में मदद मिलेगी। उदयगिरि अपने प्रोजेक्ट का तीसरा जहाज है और इसका नाम आंध्र प्रदेश में पर्वतीय श्रृंखला के नाम पर दिया गया है।

ज्ञानवापी सर्वे पर ओवैसी ने उठाए सवाल, कहा- दूसरी मस्जिद शहीद नहीं होने देंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दिसंबर में होनेवाले गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की राज्य में चहल पहल बढ़ गई है। आगामी चुनाव को लेकर शनिवार को गुजरात आए एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में किए जा रहे सर्वे को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बाबरी मस्जिद धोखे से छीन ली है, लेकिन ज्ञानवापी मस्जिद छीनने नहीं देंगे। मैं जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि ज्ञानवापी मस्जिद थी और रहेगी। ओवैसी ने 1991 के कानून में स्पष्ट है कि 15 अगस्त 1947 के रोज जो भी धार्मिक स्थल था, उसमें किसी प्रकार की छेड़छाड़ या बदलाव नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि 1991 में ज्ञानवापी मामल में इलाहाबाद कोर्ट ने स्टे जारी किया था। अगर कोई 1991 के कानून के विपरीत जाकर मंदिर, मस्जिद, गिरजा घर इत्यादि से छेड़ाछाड़ या बदलाव करनेका प्रयास करता है उसके खिलाफ मुकद्दमा दर्ज करो। इस मामले में आरोपी को 3 साल की सजा हो सकती है। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही नहीं बल्कि कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी समेत सभी राजनीतिक दल मुसलमानों को डराने का प्रयास कर रहे हैं7 ये सभी दल चाहते हैं कि मुसलमान केवल अपने घरों में मुसलमान बनकर रहें और घर से बाहर निकलें तब मुसलमान न रहें। ऐसे में प्रधानमंत्री को ज्ञानवापी के मामले में मौन तोड़ना चाहिए, वह इस प्रकार मौन नहीं रह सकते। प्रधानमंत्री भरुच के अयूब पटेल की बेटी की आंखों में आंसू देख भावुक हो जाते हैं, लेकिन 1991 के कानून पर खामोश रहते हैं। जबकि प्रधानमंत्री की संवैधानिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री को अपनी खामोशी तोड़ कहना चाहिए कि सरकार 1991 के कानून का पालन कराने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पूरे देश से झूठ बोला गया कि मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनाई गई थी। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया था कि मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने के कोई प्रमाण नहीं हैं। ओवैसी ने कहा कि मौजूदा दौर में मुसलमानों की संस्कृति खत्म करने की कोशिश की जा रही हैं। देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर कोई बात नहीं की जा रही। रुपया लगातार गिर रहा और उस पर भी बात नहीं की जा रही। जबकि प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेन्द्र मोदी कहते थे कि प्रधानमंत्री और रुपए के बीच स्पर्धा चल रही है। एआईएमआईएम चीफ ओवैसी ने बीटीपी और आप के बीच हुई गठबंधन को लेकर कहा कि सभी राजनीतिक दलों के एलायंस करने का अधिकार है और कोई भी किसी के साथ जा सकता है। कांग्रेस के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि गुजरात में 8 या 10 विधायक ही जीते तो कांग्रेस क्या करेगी? कांग्रेस ऐसी बैटरी हो जो दोबारा रिचार्ज नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा तोड़ने का काम करती है, जबकि मैं जोड़ने की बात करता हूं। वोट गरीब देते हैं अमीर नहीं। इसके बावजूद गरीबों का परेशान किया जाता है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर क्यों खंभात और हिम्मतनगर में मकान तोड़ने पर प्रधानमंत्री भावुक नहीं हुए। एक सवाल के जवाब में ओवैसी ने कहा कि औरंगजेब की मजार पर चद्दर चढ़ाना गैरकानूनी नहीं है। अगर गैरकानूनी है तो उसके लिए कानून बनाएं। मदरसों में राष्ट्रगीत अनिवार्य करने पर ओवैसी ने कहा कि राष्ट्रगीत गाने से कोई इंकार नहीं कर सकता।

केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री द्वारा ऊंझा में इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षमता और यात्री सुविधाओं में वृद्धि के लिए कई परियोजनाओं का उद्घाटन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

केन्द्री य रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 13 मई, 2022 को ऊंझा रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में तीव्र कनेक्टिविटी के साथ-साथ संरक्षा और सुविधा बढ़ाने से संबंधित विभिन्न इन्नात ए परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गुजरात सरकार के सड़क और भवन, परिवहन, नागरिक उड्डयन, पर्यटन और तीर्थ विकास मंत्री पूर्णेश मोदी; गुजरात के माननीय पूर्व उप मुख्यमंत्री नितीनभाई पटेल; माननीय सांसदगण श्रीमती शारदाबेन पटेल, भरतसिंहजी डाभी, परबतभाई पटेल; जुगलसिंह लोखंडवाला, दिनेशचंद्र अनावाडीया तथा माननीय विधायकगण रमणभाई पटेल, अजमलजी ठाकोर

एवं करशनभाई सोलंकी एवं अन्य विशिष्टे अतिथिगण के साथ-साथ पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संरक्षा, गति और गतिशीलता को बढ़ाने के लिए माननीया केन्द्रीय रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने पालनपुर-उमरदशी, ऊंझा-भांडु मोटीदाउ खंड में नवनिर्मित सड़क ऊमरी पुलों और पालनपुर स्टेशन पर ट्विन सड़क ऊमरी पुल (नंबर 1) और अहमदाबाद मंडल के पालनपुर यार्ड में एक पैदल सबवे का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में माननीया केन्द्री य रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री ने भारतीय रेल के साथ-साथ पश्चिम रेलवे के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया और रेलवे द्वारा इस क्षेत्र में लाए जा रहे नए और सकारात्मक परिवर्तनों का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन लोक कल्याणकारी परियोजनाओं से यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा बढ़ेगी और सभी हितधारकों के लिए यात्रा में सुविधा होगी और यह अधिक सुगम होगी। ठाकुर ने आगे बताया कि नए सड़क ऊमरी पुलों को समपारों (एलसी नं. 170, 206, 208बी) के स्थान पर बनाया गया है, जबकि पालनपुर यार्ड में एक ट्विन आरओबी (नंबर 1) का निर्माण किया गया है। इन सड़क ऊमरी पुलों को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसीसीआईएल) और राज्य सरकार (208बी के स्थोन पर आरओबी के मामले में) के साथ साझा लागत के आधार पर 148.77 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है।

इन परियोजनाओं का रेल यातायात की समयपालनता सुनिश्चित करने के साथ-साथ संरक्षा और ट्रेनों की गति बढ़ाने पर सीधा प्रभाव पड़ेगा।

एकतरफा शादी की धमकियों से तंग आकर नाबालिग लड़की ने आत्महत्या कर ली

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

खेडा,जिले के कपडवंज में गत शनिवार को 17 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के आत्महत्या करने के मामले में दंपत्ति और उसके बेटे समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि चारों लोग नाबालिग लड़की पर शादी के लिए दबाव बना रहे थे, जिससे परेशान होकर लड़की ने यह कदम उठाया। मृतक लड़की की शिकायत के मुताबिक वर्ष 2021 पड़ौस में रहनेवाले भरत मकवाणा का बेटा आकाश मकवाणा उसकी बेटी को परेशान कर रहा था। तब उसे फटकार लगाई थी। एक दिन आकाश की माता जयश्री मकवाणा ने धमकी दी थी कि तुम्हारी बेटी के शादी मेरे बेटे से करवानी होगी, वर्ना चैन से जीने नहीं देंगे। आकाश की हरकतों से तंग आकर बेटी को अन्य जगह भेज दिया। इसके बावजूद एकतरफा प्यार में पागल आकाश ने उसकी बेटी का पीछा नहीं छोड़ा और परेशान करता रहा। आकाश की हरकतों से बेटी इस कदर परेशान हो गई कि गत 7 मई की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पीड़ित माता की शिकायत के आधार पर खेडा जिले की कपड़वंज टाउन पुलिस ने भरत अंबालाल मकवाणा, जयश्री भरत मकवाणा, आकाश भरत मकवाणा और एक अन्य समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।